बाधो, मास , वर्ष-10, अंक 160, पृष्ठ- 8, मूल्य : 02 रुपये

प्रयागराज मंगलवार 03 सितम्बर, 2024

TM

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष मे प्रसारित

Adhunik Samachar

नगर संस्करण

10 वर्ष विश्वास के

आई.टी.आई में सीधे प्रवेश

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

कौशलं बलम्

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवेश कार्यालय का हुआ उद्घाटन

नैनी। नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवेश कार्यालय का हुआ उद्घाटन भारत सरकार द्वार मान्यता प्राप्त नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र प्रवेश कार्यालय का सिविल डिफेंस प्रयागराज के मंडल अधिकारी रौनक गुप्ता के द्वार किया गया प्रशिक्षण केंद्र के प्रवेश प्रभारी मोहम्मद कौसर ने बताया कि प्रयागराज में न्यूनतम शुल्क मुझे प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। यहां इंडस्ट्रियल विजिट सेमिनार, ग्रुप डिस्कशन, आदि कराया जाता है जिसे प्रशिक्षणार्थियो का सर्वांगिन विकास होता है. केंद्र गुणवत्ता परिषद द्वारा स्टार ग्रेडिंग प्राप्त है. केंद्र के कंप्यूटर शिक्षक रोहित शुक्ल ने बताया कि सरकार द्वार छात्रवृत्ति एवं टैबलेट की सुविधा उपलब्ध है प्रशिक्षणार्थियो को प्रशिक्षण के दौरन सरकार द्वार मांडे भी दिया जाता है प्रशिक्षणार्थियो को प्रशिक्षण के दौरन सरकार द्वार मांडे भी दिया जाता है. मुख्य अतिथि ने नवीन प्रवेशार्थियो का स्वागत एवं उज्जवल भविष्य की कामना की अंतरराष्ट्रीय स्तर का है प्रयागराज नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण के द्र-रौनक गुप्ता.इस अवसर पर निरीक्षक विजय पांडे, रोहित शुक्ला, सचिन श्रीवास्तव, मोहम्मद कौसर, प्रदीप जायसवाल आदि लोग उपस्थित रहें।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र.के छात्र रेलवे में चयनित

नैनी। नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के चार छात्रों का सिकंदराबाद मे रेलवे में चयनित होने पर संस्थान परिवार ने बधाई दी है। प्रयागराज करछना तहसील के नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद के चार छात्रों का रेलवे के धारा रेल प्रोजेक्ट सिकंदराबाद में चयन होने से विद्यालय प्रबंधतंत्र द्वारा छात्र का सम्मान एवं अभिनन्दन किया। इस अवसर पर संस्थान के प्रवेश प्रभारी मोहम्मद कौसर ने इन छात्रो का समारोहपूर्वक अभिनंदन एवं सम्मान करते हुये कहा कि यह विद्यालय के लिये गौरव की बात है।संस्थान के शिक्षक सदैव इस बात पर बल देते हैं कि छात्र अच्छा सीखें और अपने भविष्य को उज्वल एवं सफल बनावें। उन्होंने भविष्य में और मेहनत व लगन से अध्यापन व अध्ययन करने हेतु शिक्षकों और छात्रों का आह्वान किया। इस अवसर पर केक काटकर केंद्र का स्थापना दिवस भी मनाया गया।

Admission Open 2024-25

श्री सत्यदेव दुबे (प्रधानाचार्य)
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, भदोही

श्री सुजीत श्रीवास्तव (प्रधानाचार्य)
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, नैनी, प्रयागराज

इं. अर्चना सरोज (ट्रेनिंग एवं पलेसमेन्ट, अधिकारी
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, खागा, फतेहपुर

- ★ C.O.P.A.
- ★ Fitter
- ★ Computer Teacher Training
- ★ Electrician
- ★ Fire Safety & Industrial Security
- ★ Repair of Refrigerator & A.C.
- ★ Welding Technology
- ★ Certificate in YOGA
- ★ Security Service
- ★ Computer Hardware& Maintenance

Naini ITC Honored by U.P. State Industrial Association

JEEVAN EXPRESS NEWS

PRAYAGRAJ: A seminar was organized by Uttar Pradesh State Industrial Association on Friday. In which Naini Industrial Training Center was honored with a citation by the association's president Arvind Rai for providing high quality skilled workers. Mohammad Kausar received the honor from the Centre. On this occasion, all the entrepreneurs of Prayagraj including Arinnd Rai Sheetal Plastics, Anat Chandra Ventura Private Limited, BLKHN Engineering Works, S Shukla, Overseas Food Agro Private Limited, union officials and all the industrialists were present.

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

Enjoy Publicity

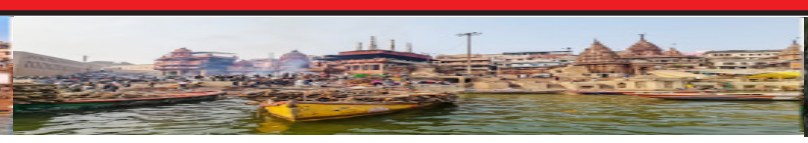

प्रयागराज में गैरकानूनी तरीके से देश में रह रही थी युगांडा की महिला, स्पा सेंटर से पकड़ी गई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। प्रयागराज शहर के सिविल लाइंस में चार स्पा सेंटरों में चल सेक्स रैकैट में शामिल होने

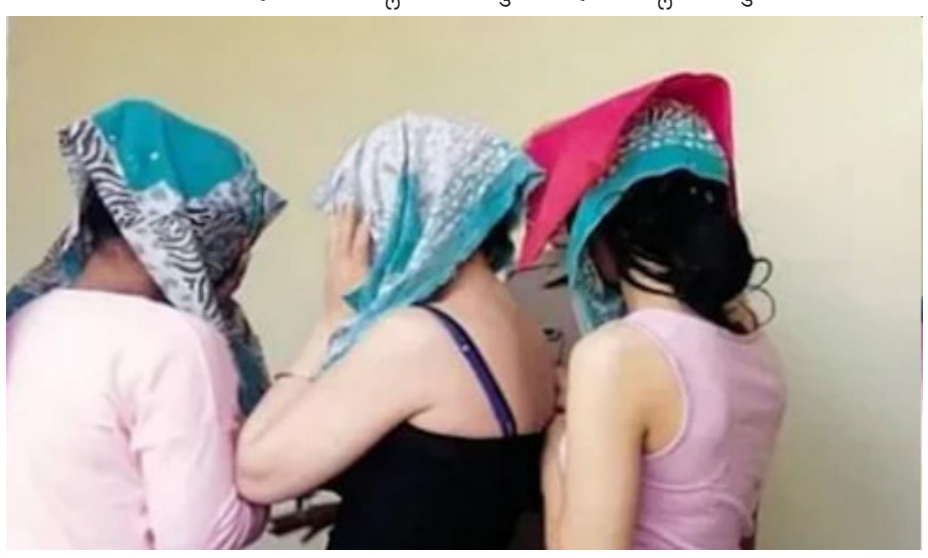

2022 में वीजा अवधि खत्म हो गई। इसके बाद भी वह वापस नहीं गई। भारत आने के बाद वह काफी दिनों तक दिल्ली के जनकपुरी में रही। पहुंची और इसमें उसकी मदद किसने की, इसकी भी जानकारी हासिल की। उसके बारे में सूचना दिल्ली स्थित मुख्यालय को भी भेजी

के आरोप में जो 13 महिलाएं व युवतियां पकड़ी गईं, उनमें से एक विदेशी महिला भी शामिल है। युगांडा की रहने वाली यह महिला अवैध रूप से देश में रह रही थी। दो साल से उसने प्रयागराज को ठिकाना बना रखा था। स्पा सेंटर में फर्जी नाम से कर रही थी काम पुलिस सूत्रों के मुताबिक, 30 वर्षीय यह महिला पूर्वी अफ्रीका के देश युगांडा के कंपाला शहर की रहने वाली है। वह फर्जी नाम से सिविल लाइंस स्थित स्पा सेंटर में काम कर रही थी। 16 नवंबर 2020 में वह मेडिकल वीजा पर भारत आई।

पिछले दो साल से उसने प्रयागराज को ठिकाना बना रखा था। एसीपी श्वेताभ पांडेय ने बताया कि महिला के बारे में और जानकारी जुटाई जा रही है। उसके संबंध में दूतावास से भी संपर्क किया जाएगा। आईबी, एलआइ-यू ने पहुंचकर की पूछताछ युगांडा की महिला की गिरफ्तारी की सूचना पर शनिवार को आईबी व एलआइ-यू के अफसर भी सिविल लाइंस थाने पहुंचे और जेल भेजे जाने से पहले उससे पूछताछ की। उससे पूछा कि वह वीजा अवधि खत्म होने के बाद कैसे देश में रह रही थी। प्रयागराज तक वह कैसे

जाएगी। अनैतिक देह व्यापार में लिप्त होने के आरोप में पकड़ी गई महिलाओं में से कई अलग-अलग शहरों की रहने वाली हैं। इनमें से कुछ प्रयागराज तो अन्य वाराणसी, लखनऊ, गोरखपुर की हैं। दो युवतियां दिल्ली की भी हैं। फिलहाल पूछताछ में उन सभी ने यह कबूल किया है कि वह अपनी मर्जी से स्पा सेंटर में काम कर रही थीं दीपक भूकर डीसीपी नगर के अनुसार सभी स्पा सेंटरों का सत्यापन कराया जाएगा। उनमें नियमों का पालन हो रहा है या नहीं, इसकी जांच की जाएगी

11 करोड़ से अधिक की लागत से अरैल समेत सात घाटों का हो रहा कायाकल्प, बाढ़ ने रोकी रफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। महाकुंभ आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों की गतिविधियों का प्रमुख केंद्र गंगा और यमुना के घाट होते हैं। वह इन घाटों पर गंगा और यमुना की पावन धारा में डुबकी लगाते हैं। ऐसे में योगी सरकार इन घाटों का कायाकल्प कर रही है। जल निगम के कंस्ट्रक्शन एंड डिजाइन डिवीजन की तरफ से गंगा और यमुना नदी के इन सात घाटों को नव्य स्वरूप प्रदान किया जा रहा है। बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी की तर्ज पर कुंभ नगरी प्रयागराज के घाटों

का पुनरुद्धार किया जा रहा है। इसके तहत गंगा और यमुना नदी के सात घाटों को नव्य स्वरूप दिया जा रहा है। इसका लगभग पचास प्रतिशत काम पूरा हो गया है। जानकारों की मानें तो इन घाटों के सौंदर्यीकरण का काम महाकुंभ से पहले पूरा कर लिया जाएगा। वहीं घाटों पर पर्यटकों की सहूलियत की अन्य व्यवस्था पर भी फोकस किया जा रहा है ताकि वह यहां पर अपना समय व्यतीत कर सकें। महाकुंभ आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों की गतिविधियों का प्रमुख केंद्र गंगा और यमुना के घाट होते हैं।

विधानसभा उपचुनाव में पूरी ताकत से जुटेगा अपना दल, एनडीए कार्यकर्ताओं को दिलाएंगे जीत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। सोमवार को प्रयागराज में आयोजित अपना दल एस के कार्यकर्ता सम्मेलन में पहुंचीं केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि यूपी में दस विधानसभा सीटों पर होने वाले उप चुनाव में उनकी पार्टी के कार्यकर्ता एनडीए उम्मीदवारों को जिताने के लिए पूरी ताकत लगाएंगे। कितने सीटों पर अपना दल लड़ेगा इस सवाल को वह टाल गईं। अपना दल (सोनेलाल) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि यूपी में दस विधानसभा की सीटों पर होने वाले उप चुनाव में अपना दल एस के कार्यकर्ता पूरी ताकत के साथ जुटेंगे और एनडीए के प्रत्याशियों को विजयी बनाएंगे। सिंबल चाहे जो हो और टिकट चाहे जिसको मिले, अपना दल के कार्यकर्ता पूरी निष्ठा के साथ चुनाव में एनडीए के प्रत्याशियों के साथ रहेंगे। सोमवार को प्रयागराज पहुंचीं अनुप्रिया पटेल ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। उनका जिले में कई स्थानों पर कार्यक्रम है। उन्होंने कहा कि 17 अक्तूबर को अपना दल के संस्थापक सोनेलाल पटेल की जयंती

धूमधाम से मनाई जाएगी। आज की बैठक में इसकी रूपरेखा तैयार की गई है। पत्रकारों ने सवाल किया कि अपना दल के कार्यकर्ता कितने सीटों पर चुनाव लड़ेंगे तो वह सवाल को टाल गईं और कहा कि एनडीए के उम्मीदवार ही चुनाव लड़ेंगे। उनकी पार्टी पूरी ताकत और निष्ठा के साथ उम्मीदवारों को जिताने के लिए जोर लगाएगी।यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल ने भी कहा कि उप चुनाव में टिकट किसको मिलेगा यह एनडीए के नेता आपस में बैठकर तय करेंगे। फिलहाल अपना दल के कार्यकर्ता एनडीए उम्मीदवारों को जिताने के लिए पूरी ताकत लगाएंगे। सभी दस सीटों पर एनडीए की जीत होने वाली है।

प्रसार निदेशालय सैम हिग्गिनबॉटम कृषि प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविाालय मे चार दिवसीय कृषि यंत्रों का संचालन प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। प्रसार निदेशालय सैम हिग्गिनबॉटम कृषि प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविाालय, प्रयागराज मे दिनांक 02-05-2024 तक संचालित होने वाले सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेशन (आत्मा) योजनान्तर्गत जनपद-बक्सर,

बिहार राज्य के कृषकों का चार दिवसीय कृषि यंत्रों का संचालन, रख-रखाव एवं मरम्मती विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। उपरोक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में कृषकों को सम्बोधित करते हुए निदेशक प्रसार डा0 पवीन चरन ने कहा कि कृषि यंत्र एवं मशीनरी एक महंगा निवेश है अतः इनके प्रयोग, रख-रखाव विशेष सावधानी पूर्वक करने से पूर्ण लाभ, विश्वसनीय एवं व्यवधानहीन, दीर्घकाल तक सेवा प्राप्त की जा सकती है। प्रत्येक यंत्र के प्रयोग, अनुरक्षण एवं रख-रखाव में विशेष बिन्दुओं की ओर ध्यान देने की आवश्यकता कृषक भाइयों कें है। सामान्य रुप से सभी मशीनों के प्रयोग से पूर्व एवं प्रयोग के पश्चात् रख-रखाव में ध्यान देने से कृषक इन यंत्रों का समुचित उपयोगर कर आर्थिक लाभ प्राप्त कर सकते है। प्रशिक्षण कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रुप में निदेशक विकास डा0 रीतू प्रकाश दूबे ने कृषकों को बताया कि यह विश्वविद्यालय कृषि यंत्रीकरण में देश में सबसे पहला खोला गया था। संस्थापक डा0 सैम हिग्गिनबॉटम ने क्षेत्र के किसानों की कृषि संबंधित जुताई एवं कर्षण क्रियाओं की विषमता को देखते हुए कृषि यंत्रों के विकास हेतु एवं तकनीकी उत्पादन की जानकारी कृषकों को प्रदान करने हेतु इस विश्वविद्यालय की स्थापना की थी। विश्वविद्यालय द्वारा विकसित यंत्रों का उपयोग किया गया तथा अग्रेत्तर अनुसंधान द्वारा नई तकनीक युक्त मशीनों का अविष्कार हुआ। यंत्रीकरण द्वारा न सिर्फ कृषक लागत मे कमी कर सकते है बल्कि अधिक उत्पादन कर आर्थिक रुप्प से उन्नत हो सकते है। प्रसार निदेशालय के वैज्ञानिक डा0 योगेश चन्द्र श्रीवास्तव ने इस अवसर पर कृषकों को कृषि यंत्रों के प्रबन्धन एवं रख-रखाव की तकनीकी जानकारी प्रदान की तथा विशेष रुप से पराली प्रबन्धन पर कृषकों के समक्ष चर्चा की। प्रसार निदेशालय के वैज्ञानिक एवं प्रशिक्षण समन्वयक डा0 मनीष कुमार केसरवानी ने मिलेट्स फसलों के प्रसंस्करण में प्रयुक्त होने वाली मशीनरी के विषय में जानकारी प्रदान करते हुए कहा कि प्रसंस्करण के क्षेत्र में मशीनों के उपयोग द्वारा अधिक उपद तैयार कर कृषक अपने व्यवसाय को बढा सकते है। फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग के सहायक प्रोफसर डा0 बब्बन यादव ने कृषकों को ट्रैक्टर चालन एवं ट्रैक्टर चालित कृषि यंत्रों के विषय में तकनीकी जानकारी प्रादान की तथा प्रयोगात्मक प्रशिक्षण प्रदान किया। इस अवसर पर उन्होनें ट्रैक्टर चालित यंत्रों के रख-रखाव संचालन एवं मरम्मतीकरण पर चर्चा की तथा कृषकों के सम-सामायिक कृषि यंत्रीकरण संबंधित समस्याओं का निराकरण किया। प्रशिक्षण समन्वयक डा0 मनीष कुमार केसरवानी ने प्रतिभागी कृषकों का स्वागत किया एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम की संक्षिप्त रुपरेखा से कृषकों को परिचित कराया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर प्रसार निदेशालय के समस्त वैज्ञानिकगण उपस्थित रहे।

आधुनिक
गेस्ट हाउस
- वाटर प्रूफ शेड
- पार्किंग की सुविधा
- मन्दिर की सुविधा
- सी.सी.टीवी.
- छोटे-बड़े कार्यक्रमों के अलग-अलग रेट
- 45000 sq. feet. एरिया
- हरे-भरे वातावरण
- AC कमरा (VIP)

CALL: 9519313894,9415608783, 9415608710
आधुनिक समाचार पब्लिशिंग हाउस, यूपीएसआईडीसी, रेमण्ड रोड, औधोगिक थाने के पीछे भारत पेट्रोलियम के पहले, औधोगिक क्षेत्र, नैनी, प्रयागराज

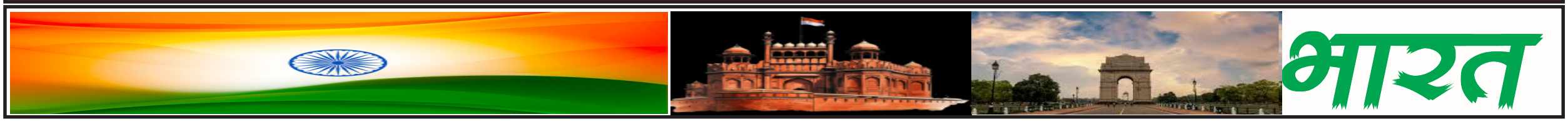

संक्षिप्त समाचार

नॉर्वे की तलाकशुदा राजकुमारी ने अमेरिकी जादूगर संग रचाई शादी, तीन बच्चों की मां हैं 52 वर्षीय मार्था

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। राजकुमारी मार्था लुईस ने इयूरेक वेरेट के साथ शादी कर ली है। 52 वर्षीय मार्था तलाकशुदा हैं और उनके तीन

बच्चे हैं। नॉर्वे के राजा की सबसे बड़ी संतान राजकुमारी मार्था लुईस ने शनिवार को अमेरिकी स्वघोषित जादूगर के साथ भव्य समारोह में शादी रचा ली। 52 वर्षीय मार्था तलाकशुदा हैं और उनके तीन बच्चे हैं। तीन दिनों तक चले शादी समारोह में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स, रियलिटी स्टार्स व टीवी जगत की हस्तियां शामिल हुईं।मार्था के पति इयूरेक वेरेट (49) कैलिफोनिया के छठी पीढ़ी के जादूगर होने का दावा करते हैं। उनका विवाह नॉर्वे के प्रमुख पर्यटक गंतव्यों में शुमार गीरांगर के छोटे से शहर में हुआ। मीडिया को बताया गया कि हरे लॉन पर बने सफेद रंग के विशाल पंडाल में वैवाहिक कार्यक्रम के दौरान नॉर्वे व अमेरिका के कलाकारों ने प्रस्तुतियां दीं। मार्था ने शादी के दौरान एक पारंपरिक सफेद जोड़ा व मुकुट पहना था, जो उनके दादा किंग ओलाव ने उन्हें 18वें जन्मदिन पर भेंट किया था। वेरेट ने काले रंग का सूट व सुनहरे रंग का कमरबंद पहना था। 87 साल के राजा हेराल्ड व युवराज हाकोन ने गहरे रंग के सूट पहने थे। मार्था को लेखक व नाटककार एरी बेहन के साथ अपनी पिछली शादी से तीन बच्चे हैं। दोनों का 14 साल की शादी के बाद वर्ष 2017 में तलाक हो गया था।

यूएई में अवैध तरीके रह रहे भारतीय उठा सकेंगे 'माफी कार्यक्रम' का लाभ, वाणिज्य दूतावास में कर सकेंगे आवेदन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। यूएई में अवैध रूप से रह रहे भारतीय 'माफी कार्यक्रम' का लाभ उठा सकेंगे। निवास स्थिति को नियमित कराने या दंड के बिना यूएई छोड़ने की अनुमति होगी। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में दो महीने तक

चलने वाले माफी कार्यक्रम का लाभ भारतीय भी उठा सकेंगे। भारत के महावाणिज्य दूतावास ने अपने नागरिकों को इस योजना का लाभ दिलाने के लिए कई उपायों की घोषणा की है। माफी योजना देश में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों को अपनी निवास स्थिति को नियमित कराने अथवा दंड के बिना यूएई छोड़ने की अनुमति देती है।माफी कार्यक्रम कई तरह के वीजा पर लागू होता है। रविवार से शुरू हुए इस कार्यक्रम में निवास की अवधि का समाप्त होने वाला व पर्यटक वीजा शामिल है। इसके दायरे में बिना दस्तावेज रह रहे लोग भी आते हैं। हालांकि, जिन लोगों ने देश में अवैध रूप से प्रवेश किया है, उन्हें इस कार्यक्रम से बाहर रखा गया है। कार्यक्रम के तहत जो लोग भारत लौटने की इच्छा रखते हैं, वे आपातकालीन प्रमाणपत्र (ईसी) के लिए आवेदन कर सकते हैं। जो लोग अपनी निवास स्थिति को नियमित कराने की इच्छा रखते हैं, वे अल्पकालीन वैधता वाले पासपोर्ट के लिए आवेदन कर सकते हैं।

आंध्र प्रदेश, तेलंगाना में आसमान से बरसी आफत, 18 की मौतें, 100 से ज्यादा ट्रेनें रद्द

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। शनिवार और रविवार को आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में आसमान में आफत बरसी। इस की टीमें बाढ़ प्रभावित इलाकों में तैनात की गई है। बारिश के चलते आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में 100 से ज्यादा ट्रेनें रद्द करनी पड़ी हैं।

बारिश के चलते दोनों राज्यों में 18 लोगों की मौत हो गई। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में भारी बारिश के चलते बाढ़ जैसे हालात हैं और सड़कें जलमगन हैं और रिहायशी इलाकों में पानी भर गया है। जल भराव के चलते दोनों राज्यों में रेल, सड़क यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ है। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना की नदियां पूरे उफान पर है। हालात को देखते हुए हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया है। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ वहीं कई ट्रेनों का रूट बदलना पड़ा है। बारिश के चलते कई रेलवे ट्रैक पानी में डूबे हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू और तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी से फोन पर बात की और हालात का जायजा लिया। प्रधानमंत्री ने दोनों मुख्यमंत्रियों को केंद्र की तरफ से हरसंभव मदद का भरोसा दिया। तेलंगाना के राजस्व मंत्री पोंगुलेती श्रीनिवास रेड्डी ने बताया कि राज्य के विभिनन इलाकों में बारिश के चलते नौ लोगों की मौत हुई है। हैदराबाद में बारिश के चलते कई इलाकों में पानी भर गया है। इसके चलते शहर में सोमवार को स्कूलों की छुट्टी कर दी गई है। मौसम विभाग ने सोमवार को भी आदिलाबाद, निजामाबाद, राजनन सिरसिल्ला, याद्री भुवनागिरी, विकाराबाद, सांगारेड्डी, कामारेड्डी और महबूबनगर में भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया है। सीएम चंद्रबाबू नायडू ने भी बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया। आंध्र प्रदेश में भी बारिश के चलते 9 लोगों की मौत हुई है। आंध्र प्रदेश का विजयवाड़ा जिला सबसे ज्यादा बाढ़ से प्रभावित है। बारिश के चलते जिले में कई जगह जलभराव की स्थिति है। श्रीकाकुलम, विजयनगरम, पार्वतीपुरम मान्यम, अल्लुरी सीताराम राजू, काकीनाडा और नांदयाला जिले में भारी बारिश हुई है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने शीर्ष अधिकारियों के साथ एक आपात बैठक बुलाई है। अधिकारियों को अलर्ट रहने का निर्देश दिया गया है और बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत सामग्री पहुंचाने का निर्देश दिया है।

हमारा अंतरिक्ष कार्यक्रम किफायती, हर कोई कर रहा ईर्ष्या; राकेश शर्मा बोले- दूसरे देश काफी खर्च करते हैं

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा ने अंतरिक्ष विज्ञान को लेकर भारत की तारीफ की है। उन्होंने कहा है कि हमारा अंतरिक्ष

कार्यक्रम बहुत किफायती है, जबकि दूसरे देश इसके लिए काफी पैसे खर्च कर रहे है। भारतीय अंतरिक्ष यात्री विंग कमांडर राकेश शर्मा (सेवानिवृत्त) ने रविवार को अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भारत की उपलब्धि की सराहना की। कहा, भारत ने जो किया है उससे दुनिया प्रभावित है। शर्मा 'भारत में अंतरिक्ष के वर्तमान परिदृश्य और विकास' विषय पर अपनी राय रख रहे थे। उन्होंने कहा, भारत ने अन्य देशों की तुलना में बहुत कम लागत में वैज्ञानिक खोजों को अंजाम दिया है।हमारा अंतरिक्ष कार्यक्रम बहुत किफायती है। हर कोई हमसे ईर्ष्या कर रहा है, क्योंकि अन्य देश उसी प्रकार के डाटा के लिए बहुत अधिक खर्च कर रहे हैं, जो भारत कम लागत में प्राप्त कर रहा है। उन्होंने उदाहरण दिया कि भारत ने चंद्रयान और मंगलयान दोनों के लिए अपने पहले ही प्रयास में सफलता हासिल की। यह अद्भुत है। अब गगनयान मिशन भी करीब है। एजेंसीपहले केवल दो देशों के बीच थी होड़ : शर्मा ने कहा, मेरे कार्यकाल में अंतरिक्ष क्षेत्र में केवल दो देशों (रूस और अमेरिका) में होड़ थी। उनका ध्यान भू-राजनीतिक वर्चस्व स्थापित करने पर था, लेकिन हमने अपने अंतरिक्ष कार्यक्रम को आम लोगों के ध्यान में रखते हुए बढ़ाया और इसमें हमें सफलता भी मिली।सुनीता सुरक्षित वापस आएंगी : अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स की सुरक्षा के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, कोई चिंता की बात नहीं है। दोनों अंतरिक्ष यात्री सुरक्षित वापस आएंगे। उन्होंने कहा, मीडिया में चीजों को बढ़ा-चढ़ा कर बताया जा रहा है। नासा दोनों यात्रियों की वापसी के लिए कोई जोखिम नहीं उठाना चाहता।

आगे की रणनीति पर संघ पदाधिकारियों ने किया मंथन केरल में बैठक के दूसरे दिन पंजाब के हालात पर चर्चा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। केरल में संघ के पदाधिकारियों चुनौतियों और आगे की रणनीति पर मंथन किया है। बैठक के दूसरे दिन पंजाब के हालात पर चर्चा की गई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने अखिल भारतीय समन्वय बैठक

के दूसरे दिन संगठन के समक्ष आने वाली चुनौतियों और आगे की रणनीतियों पर मंथन किया। साथ ही पहले दिन बैठक में पंजाब के हालात और देश में नक्सली हिंसा में आई कमी पर विशेष चर्चा हुई। संघ के अखिल भारतीय समन्वय बैठक पहली बार केरल में हो रही है। बैठक के पहले दिन शनिवार को चार सत्र हुए थे। इसमें पहला वायनाड में आए भूस्खलन और संघ के स्वयंसेवकों के किए गए राहत और बचाव कार्यों पर केंद्रित रहा। दूसरे सत्र में संघ और उससे जुड़े संगठनों से संबंधित संगठनात्मक मुद्दों पर चर्चा हुई। इसमें उनके बीच संरचनात्मक और कार्यात्मक समन्वय पर बातचीत की गई। तीसरे सत्र में पाकिस्तान से लगते पंजाब के हालात पर विशेष ध्यान दिया गया। साथ ही नक्सली हिंसा में कमी और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में केंद्र सरकार के विकास प्रयासों पर भी चर्चा हुई। साथ ही वनवासी कल्याण आश्रम की ओर से इन क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों की भी सराहना की गई।विभिनन संबद्ध संगठनों के समूह बनाकर विशिष्ट संगठनात्मक समन्वय मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एक अलग सत्र हुआ। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सभी सत्रों में सक्रिय रूप से भाग लिया।

अगले दो महीने महायुति सरकार बदलने तक चुप नहीं बैठेंगे', पार्टी कार्यकर्ताओं से बोले शरद पवार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के संस्थापक शरद पवार ने रविवार को कहा कि विपक्ष अगले दो महीने में महाराष्ट्र में महायुति सरकार को सत्ता से हटाने और छत्रपति

शिवाजी के आदर्शों पर आधारित एक नई सरकार बनाने तक शांत नहीं बैठेगा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के संस्थापक शरद पवार ने रविवार को कहा कि विपक्ष अगले दो महीने में महाराष्ट्र में महायुति सरकार को सत्ता से हटाने और छत्रपति शिवाजी के आदर्शों पर आधारित एक नई सरकार बनाने तक शांत नहीं बैठेगा। पवार मुंबई के घाटकोपर में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। पवार ने 26 अगस्त को सिंधुदुर्ग जिले में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा ढहने को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राज्य में सत्ता में बैठे लोगों को शिवाजी महाराज पर भरोसा नहीं है। महायुति गठबंधन में भाजपा, एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की राकांपा शामिल है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, ठमैं आपको आश्वस्त करता हूं कि अगर आप एकजुट रहते है, तो हम अगले दो महीने में महाराष्ट्र की सरकार बदलने और शिवाजी महाराज के आदर्शों पर आधारित ऐसी नई सरकार बनाने तक शांत नहीं बैठेंगे, जो जनता के हितों की रक्षा करेगी विधानसभा चुनाव से पहले राजकोट किले में 35 फीट ऊंची शिवाजी की प्रतिमा गिरने के बाद से राज्य की सियासत गरम है। विपक्ष ने महायुति गठबंधन पर भ्रष्टाचार और प्रतिमा का अपमान करने का आरोप लगाया है। वहीं, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे सहित राज्य के नेताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घटना के लिए माफी मांगी है। हालांकि, पवार ने कहा कि प्रतिमा के निर्माण में भ्रष्टाचार के आरोप हैं, लेकिन उनके पास इसका सबूत नहीं है। उन्होंने सवाल उठाया, एक प्रतिमा कैसे गिर सकती है? इसका मतलब है कि प्रतिमा की गुणवत्ता खराब थी। इस सरकार के तहत शिवाजी का अपमान हुआ है। राज्य सरकार ने कहा है कि एक नई प्रतिमा बनाई जाएगी। लेकिन जो नुकसान हुआ, क्या उसकी भरपाई होगी। उन्होंने कहा कि प्रतिमा के निर्माण में गलत और भ्रष्ट फैसले लिए गए थे। शरद पवार ने आज सुबह हुतात्मा चौक से गेटवे ऑफ इंडिया तक महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के विरोध मार्च में भी भाग लिया। महाराष्ट्र विधानसभा की 288 सीटों के लिए चुनाव अक्तूबर या नवंबर में होने की संभावना है। पवार ने केंद्र की सीधी भर्ती योजना पर भी निशाना साधा, जो हाल ही में एक सियासी विवाद का कारण बनी थी। उन्होंने कहा कि सत्ता में बैठे लोग जनता के हितों की रक्षा नहीं करेंगे।

छह बांग्लादेशी छात्र नेताओं के वीजा पर भारत के प्रतिबंध लगाने की खबरें फर्जी, सूत्रों ने किया दावा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। छह बांग्लादेशी छात्र नेताओं के वीजा पर भारत के प्रतिबंध लगाने की रिपोर्ट फर्जी निकली है। भारत के आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को दावा किया है। भारत के छह बांग्लादेशी छात्र नेताओं के

वीजा पर प्रतिबंध लगाने की रिपोर्ट फर्जी है। यह दावा आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को किया है। बांग्लादेशी मीडिया की इस रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि भारत विरोधी भावनाएं भड़काने के लिए उनके खिलाफ कार्रवाई की गई थी। बांग्ला भाषा के बांग्लादेशी मीडिया आउटलेट की एक सितंबर को, 'छह छात्र नेताओं पर भारतीय वीजा प्रतिबंध' शीर्षक से रिपोर्ट दी गई थी। इस रिपोर्ट में छह छात्र नेताओं के नामों के बारे में भी बताया गया था। भारत के आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक ये रिपोर्ट पूरी तरह से फर्जी है। बांग्लादेश में जुलाई में शुरू हुए छात्रों के नेतृत्व वाले प्रतिरोध ने पूरे देश को अपनी चपेट में ले लिया, जिसके परिणामस्वरूप शेख हसीना की सरकार गिर गई और वह 5 अगस्त को भारत भाग गईं'शेख हसीना को लेकर भारत और बांग्लादेश के रिश्तों में खटास आ सकती है।' ये कहना है बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के विदेश मामलों के सलाहकार तौहीद हुसैन का। दरअसल उन्होंने कहा कि 'वह (शेख हसीना) दिल्ली में, भारत में रह रही हैं। हालांकि मैं इसका उत्तर देने के लिए सही व्यक्ति नहीं हूं, लेकिन अगर वहां से (गृह मंत्रालय और विधि मंत्रालय से) कोई अनुरोध आता है तो हमें भारत सरकार से उन्हें बांग्लादेश वापस भेजने के लिए कहना होगा। इससे भारत सरकार के लिए दुविधा की स्थिति पैदा होती है, मुझे लगता है कि भारत सरकार भी यह जानती है और वे इसका ध्यान भी रखेंगे बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने देश के सभी राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ बैठक की।

नीट फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में समीक्षा याचिका, शीर्ष अदालत के आदेश पर पुनर्विचार की मांग की गई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। नीट फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दी गई है। याचिका कर्ता काजल कुमारी ने शीर्ष अदालत के आदेश पर पुनर्विचार

की मांग की गई है। नीट यूजी परीक्षा को नए सिरे से आयोजित कराने को खारिज करने के आदेश की समीक्षा के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दी गई है। शीर्ष अदालत ने अपने 2 अगस्त के आदेश में कहा था कि वर्तमान में रिकॉर्ड पर ऐसी कोई पर्याप्त सामग्री नहीं है जो परीक्षा की अखंडता से समझौता करने वाली प्रणालीगत लीक या कदाचार का संकेत दे। काजल कुमारी द्वारा दायर समीक्षा याचिका में शीर्ष अदालत के आदेश पर पुनर्विचार की मांग की गई है। इसके पहले अदालत ने कहा था कि चूंकि पैनल का दायरा बढ़ा दिया गया है, इसलिए समिति परीक्षा प्रणाली में कमियों को दूर करने के विभिनन उपायों पर 30 सितंबर तक अपनी रिपोर्ट देगी।शीर्ष अदालत ने एनटीए को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था कि अदालत द्वारा अपने फैसले में उजागर की गई सभी चिंताओं का समाधान किया जाए और सात सदस्यीय समिति से अपनी सिफारिशें करते समय इन मुद्दों को ध्यान में रखने का अनुरोध किया था। दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक नीट अभ्यर्थी की याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें प्रवेश परीक्षा में 'पाठ्यक्रम से बाहर' प्रशन पूछे जाने का आरोप लगाया गया था। न्यायालय ने कहा कि वह विशेषज्ञों के ज्ञान पर संदेह नहीं कर सकता और उसके स्थान पर अपनी राय नहीं रख सकत याचिकाकर्ता ने दावा किया था कि भौतिकी खंड में एक प्रशन 'रेडियोधर्मिता' पर आधारित था, जबकि 'रेडियोधर्मिता विषय' इस वर्ष के के पाठ्यक्रम का हिस्सा नहीं था। अदालत ने कहा था कि यह विशेष प्रशन परीक्षा आयोजित करने वाली संस्था राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा गठित विषय विशेषज्ञों के समक्ष रखा गया था और उन्होंने अपनी राय दी है कि पाठ्यक्रम में 'परमाणु और नाभिक' अध्याय के अंतर्गत इकाई संख्या 18 में 'नाभिक की संरचना और आकार' तथा 'परमाणु द्रव्यमान' शामिल हैं।

युद्ध विराम और बंधकों रिहाई की मांग करते हुए सड़कों पर उतरे इस्त्राइली, नेतन्याहू सरकार पर बनाया दबाव

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। पिछले साल सात अक्तूबर के बाद पहली बार इस्राइल के सबसे बड़े ट्रेड यूनियन फेडरेशन हिस्टाड्रट ने सरकार पर युद्धविराम समझौते पर हस्ताक्षर करने को

लेकर दबाव डालने के लिए आम हड़ताल का आह्वान किया।इस्राइल-हमास संघर्ष को अब एक साल होने वाला है, लेकिन तनाव अभी भी बरकरार है। इस बीच युद्धविराम समझौते और हमास द्वारा बंदी बनाए गए लोगों की रिहाई की मांग करते हुए इस्राइली सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने पोस्टरों में 'अभी-अभी' के नारे भी लगाए और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से युद्धविराम की मांग करने लगे। रविवार को प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच झड़प की भी सूचना मिली। तेल अवीव में कई प्रदर्शनकारियों ने सड़कों को अवरुद्ध कर दिया। उन्होंने पश्चिमी यरुशलम में प्रधानमंत्री नेतन्याहू के बाहर भी प्रदर्शन किया। बंधक और लापता परिवार फोरम ने कहा कि छह बंधकों की मौत नेतन्याहू की युद्ध रोकने और बंधनों की घर वापसी के समझौते में विपलक्षा का स्पष्ट परिणाम है। उन्होंने कहा, उन सभी को 11 महीने तक यातना, दुर्व्यवहार और भुखमरी झेलने के बाद हाल ही में मार दिया गया। कार्मेल गैट, जिनका शव वापस लौटने वालों में शामिल था, के चचेरे भाई गिल डिकमैन नेइस्राइली नागरिकों से सरकार पर दबाव बनाने का आग्रह किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, सड़कों पर उतरें और सबके वापस आने तक देश में सबकुछ बंद रखें। उन्हें अब भी बचाया जा सकता है। पिछले साल सात अक्तूबर के बाद पहली बार इस्राइल के सबसे बड़े ट्रेड यूनियन फेडरेशन हिस्टाड्रट ने सरकार पर युद्धविराम समझौते पर हस्ताक्षर करने को लेकर दबाव डालने के लिए आम हड़ताल का आह्वान किया। इस्राइली सेना द्वारा गाजा पर किए गए हमले में 40 हजार से ज्यादा लोगों की मौत चुकी है, जबकि 94 हजार से अधिक लोग घायल हैं। पिछले साल सात अक्तूबर को हमास ने इस्राइल पर हमला किया था, जिसमें 1,139 इस्राइली लोगों की मौत हो गई थी। इस दौरान हमास ने 250 लोगों को बंधक बनाकर अपने साथ ले गए।

शिवाजी की मूर्ति के लिए अनुभवहीन मूर्तिकार को चुनना गलत था', आठवले बोले- विपक्ष राजनीति ना करे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने शिवाजी की मूर्ति गिरने के मामले में कहा है कि प्रधानमंत्री मोदी के माफी मांगने के बाद अब विपक्ष को राजनीति नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अनुभवहीन मूर्तिकार को मूर्ति बनाने के लिए काम सौंपना गलत फैसला था। केंद्रीय मंत्री और एनडीए के सहयोगी रामदास अठावले ने कहा है कि राजकोट किले में शिवाजी महाराज की मूर्ति का निर्माण काम एक अनुभवहीन मूर्तिकार को सौंपना एक गलती थी। मालवन तालुका में किले का दौरा करने के बाद उन्होंने सामाजिक न्याय राज्य मंत्री से मामले में विस्तृत जांच की मांग की है। मीडिया से बात करते हुए अठावले ने कहा, ठअनुभवी मूर्तिकारों की कोई कमी नहीं है; एक नौसिखिए को जिम्मेदारी क्यों दी गई?ठ उन्होंने कहा कि लोक निर्माण विभाग और नौसेना के संबंधित अधिकारियों की भी जांच की जानी चाहिए।आरपीआई (ए)

प्रमुख ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे द्वारा माफी मांगे जाने के बाद विपक्ष को इस घटना का राजनीतिकरण नहीं करना चाहिए। चुनाव से पहले मूर्ति गिरने से सियासत गरमाई इस साल के अंत में महाराष्ट्र विधानसभा के चुनाव होने हैं। इससे पहले शिवाजी महाराज की प्रतिमा गिरने को लेकर राज्य में सियासत तेज है। इस मूर्ति का अनावरण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। मूर्ति गिरने के बाद विपक्षी दल महाराष्ट्र सरकार पर आरोप लगा रहे हैं। विरोधियों के आरोप के बाद उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने राज्य की जनता से माफी मांगी। बीते दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी राज्य की जनता से माफी मांगी, जिसके बाद मामला और गरमा गया है।दरअसल, इसी 26 अगस्त को सिंधुदुर्ग के राजकोट किले में स्थापित की गई छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा गिर गई। सिंधुदुर्ग जिले में 4 दिसंबर, 2023 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नौसेना दिवस पर छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का अनावरण किया था। 35 फुट की इस प्रतिमा का अनावरण नौसेना दिवस समारोह के हिस्से के रूप में किया गया था।इस आयोजन का उद्देश्य समुद्री रक्षा और सुरक्षा के प्रति मराठा नौसेना और छत्रपति शिवाजी महाराज की विरासत एवं आधुनिक भारतीय नौसेना के साथ इसके ऐतिहासिक संबंधों का सम्मान करना था। इसके लिए राज्य सरकार ने धन भी मुहैया कराया था। रिपोर्ट के अनुसार, इस प्रतिमा पर महाराष्ट्र सरकार ने 2.36 करोड़ रुपये खर्च किए थे।

मिर्ज़ापुर सोनभद्र

कांग्रेस कार्यकर्ताओं को आगामी कार्यक्रम को लेकर बैठक संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। रविवार को सोनभद्र कांग्रेस कमेटी की मासिक बैठक जिला कार्यालय राबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र पर संपन्न हुई, जहां मुख्य वाले विधानसभा उपचुनाव की तैयारी कर रहे हैं , वही प्रदेश सचिव करमचंद बिन्द ने कहा कि संगठन में हर व्यक्ति का का सम्मान है उसे जिम्मेदारी से अपने पद का निर्वाह और आगे भी जो जिम्मेदारी मिलेगी उसको करता रहूंगा, पार्टी /संगठन कार्यकर्ताओं/ पदाधिकारी के बल पर चलता है सबकी जिम्मेदारी और भूमिका अहम होती है । बैठक का संचालन

अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव माननीय देवेंद्र प्रताप सिंह एवं विशिष्ट के रूप में नवनियुक्त प्रदेश सचिव करमचंद बिन्द उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष रामराज सिंह गोड़ ने किया । प्रदेश महासचिव देवेंद्र प्रताप सिंह जी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी लगातार आमजनमानस की आवाज उठती है और उसकी लड़ाई भी लड़ती है ,लोकसभा के चुनाव में जिस प्रकार की सफलता उत्तर प्रदेश के अंदर इंडिया गठबंधन को मिली है उसके बाद कार्यकर्ताओं में अलग सा उत्साह उत्पन्न हुआ है और लोग लगातार जुड़ते भी जा रहे हैं और हम अभी से आगे होने करते हुए पार्टी को मजबूत करना चाहिए और लोगों को जोड़कर पार्टी के कार्यक्रम में प्रमुखता से भाग लेना चाहिए। संगठन को मजबूत करने में सब का योगदान होता है तभी संगठन मजबूत होता है।जिला अध्यक्ष रामराज सिंह गोड़ ने कहा कि सोनभद्र जनपद के समस्त पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं का मुझे सहयोग मिलता रहा है और हम लोगों ने मिलकर जो भी कार्यक्रम ऊपर से आए है उसको हमने किया है आगे भी जो कार्यक्रम मिलेंगे उसको हम करेंगे। उत्तर प्रदेश कार्यकारी उत्तर प्रदेश पीसीसी सदस्य आशुतोष कुमार दुबे(आशु) ने कहा पार्टी ने जो भी जिम्मेदारी या जो भी कार्य दिया है उसको लगातार किया भी हूं बृजेश तिवारी ने किया। मुख्य रूप से उपस्थित रहने वालों में जितेंद्र पासवान, कमलेश ओझा, फरीद अहमद, जगदीश मिश्रा ,संगीता श्रीवास्तव, विनोद तिवारी, राजबली पांडेय, नागेश्मणि पाठक, आशीष सिंह, वेद प्रकाश, बद्री सिंह गौड़, कौशल लेश पाठक, उप चौबे, सूरज वर्मा, अंशु मद्धेशिया, श्रीकांत मिश्रा, कैलाश सिंह गोड़, श्रीकांत पासी, अमरनाथ देव पांडेय, निगम मिश्रा, सुनीता तिवारी ,प्रदीप सिंह ,आकृति निर्भय ,बंशीधर पांडेय, प्रदीप चौबे,सारद पनिका, विशिष्ट चौबे, बेबी सिंह, बाबूलाल पनिका, इंजीनियर शिव प्रसाद, चंद्र देव, शैलेंद्र चतुर्वेदी, मृदुल मिश्रा,रहे।

ललई सिंह यादव की मनाई गई जयंती ,डाला गया जीवन पर प्रकाश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र।आजाद समाज पार्टी सोनभद्र के बैनर तले अंबेडकर पार्क पुसौली राबर्टसगंज में पेरियार ललई सिंह यादव की जयंती मनाई विचारों पर समाज को चलने की जरूरत है और पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षित बनों, संगठित रहो, संघर्ष करो, के सूत्रों के द्वारा

गई, और जिला समीक्षा बैठक किया गया जिसमें पार्टी को मजबूती के लिए पदाधिकारी ने अपनी बात रखी, जिला प्रभारी संदीप बौद्ध ने कहा कि सामाजिक आर्थिक राजनीतिक न्याय के पुरोधा थे ललई सिंह यादव उन्होंने पूरी जिंदगी बहुजन समाज के उत्थान के लिए समर्पित किया जिला महासचिव अरुण कुमार ने कहा कि ललई सिंह यादव जी के जीवन संघर्ष से ही बहुजन समाज को प्रेरणा लेनी चाहिए और जिला अध्यक्ष रविकांत ने कहा कि पेरियार ललई सिंह यादव के ही समाज में जागरुकता और आजाद समाज पार्टी के उत्थान हो सकता है, और साथ ही पार्टी में कई पदों पर नियुक्ति किया गया जिसमें किसान मोर्चा के जिला संयोजक विकास सिंह पटेल को नियुक्त किया गया वहीं जिला सचिव सुरेंद्र मौर्य जिला संगठन मंत्री रविशंकर और कोष अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार को नियुक्त किया गया। उपस्थित विधानसभा के चारों विधानसभा अध्यक्ष और पदाधिकारी कार्यकर्ता भारी संख्या में मौजूद रहे।

आदिवासियों के जल जंगल मकान जमीन के मालिकाना हक की माग

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। देश में आदिवासियों के विरोध में वन सर संशोधन अधिनियम 2023 लागू करके आदिवासियों को बड़े पैमाने पर बेदखल करने एवं विकास के नाम आदिवासियों का जल जंगल जमीन का अधिकार हैं जो की उनका अधिकार छीना जा रहा है प्रकृति के संरक्षक आदिवासी ही हैं जिसमें कि देश के संविधान के साथ छेड़छाड़ कर देश में अधिकारों का हनन किया संविधान संशोधन करके गलत कानून पास किया गया जिसे देश के सारे आदिवासी समाज देशभर में विरोध कर रहे हैं हमारे पूर्वजों द्वारा जिस जमीन पर पट्टा था उसे पट्टे को वर्तमान सरकार ने आधे से

पर आदिवासियों का जल जंगल मकान और जमीन के मालिकाना हक एवं अधिकार से वंचित करने के विरोध में जनपद सोनभद्र मुख्यालय राष्ट्रीय आदिवासी एकता परिषद के बैनर तले धरना प्रदर्शन कर राष्ट्रपति को ज्ञापन दिया गया द्वारा जिलाधिकारी जनपद सोनभद्र जिसमे की संसद द्वारा असविधान कानूनों पर तत्काल रोक लगा कर सवैंधनिक कानून व्यवस्था के अनुसार अधिकार सुरक्षित संरक्षित करने की मांग की ! इस कार्यक्रम की अगुवाई कर्ता भगवानदास गौड़ जिलाध्यक्ष राष्ट्रीय आदिवासी एकता परिषद धरना प्रदर्शन में संगोष्ठी संबोधित करते हुए विवेक सिंह पटेल /अध्यक्ष जय सरदार भीम सेना जा रहा है जिसको कतई बर्दाश्त करने की योग्य नहीं है और पांचवी छठवीं सूची वर्तमान सदन में लागू किया जाए नहीं तो आने वाले समय पर आंदोलन बृहद रूप प्रदर्शन करेगा! भगवानदास गौड़ जिलाध्यक्ष राष्ट्रीय आदिवासी एकता परिषद वलक्ष्मी नारायण पटेल राष्ट्रीय पिछड़ा मोर्चा जिला संयोजक सोनभद्र ने संयुक्त रूप से कहा कि हमारे अधिकारों का हनन किया जा रहा है आदिवासियों के संविधान को 2023 में वर्तमान सरकार ने बदल दिया है जिसको लेकर हम लोग आहत हैं हम वर्तमान सरकार से मांग करते हैं कि हमारा पूर्ण अधिकार जो पहले से लागू था उसे ही लागू किया जाए 2023 में जो अधिक लोगों का खत्म कर दिया है जो की आज आदिवासियों के पास रहने तक की जगह नहीं बची हम आदिवासी जन अपने अधिकार की मांग करते हैं अगर हमारा अधिकार नहीं मिला तो हम बड़ा आंदोलन करेंगे जिसकी पूरी जिम्मेदारी इस सरकार की होगी प्रशासन की होगी! उक्त अवसर उपस्थित रामचंद्र टेकाम, राजबली सिंह श्याम, प्रदीप मौर्या, रमेश गौतम,विश्वनाथ सिंह, राजाराम, रामकिशनू, रामप्रसाद चेरो, रामसागर खरवार, अमरजीत खरवार, छोटेलाल, रूप नारायण, सविता, केवली, गुलाबी इत्यादि सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

गणेश चतुर्थी महापर्व को लेकर हुआ बैठक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
घोरावल। घोरावल तहसील में स्थित गावकुंडा गांव में होने वाले परंपरागत रूप से गणेश चतुर्थी पूजन के सहयोग से विगत कई वर्षों से गणेश चतुर्थी महापर्व पर पूजा पाठ ,भक्ति जागरण,झाकी आदि का आयोजन किया जाता हैं इस वर्ष समिति द्वारा

तैयारियों को लेकर रविवार को गणेश चतुर्थी सेवा समिति द्वारा 4 /9/2024 को मूर्ति स्थापना एवं 8/ 9/2024 को विसर्जन के संबंध में पदाधिकारियों, सदस्यों, कार्यकर्ताओं पर क्षेत्रीय गणमान्य लोगों द्वारा बैठक किया गया समिति के अध्यक्ष विनोद कुमार आदिवासी द्वारा बताया गया कि गणेश चतुर्थी पूजन के तैयारियों को लेकर हमारी टीम बिल्कुल आस्था के साथ कार्य में लगी हुई है हमलोग द्वारा क्षेत्रीय प्रयास किया जा रहा हैं कि मुख्य अतिथि के रूप में कुछ वरिष्ठ अधिकारीगण,जनप्रतिनिधि,एवं गणमान्य लोगों को पत्रक भेजकर आमंत्रित किया जायेगा जिससे कार्यक्रम को एक विस्तार रूप भी मिलेगा और पूजापाठ के प्रति लोगो में दिव्यता,भव्यता भी बढ़ेगा निशु शर्मा द्वारा बताया गया की कार्यक्रम के आयोजन से क्षेत्र में सुख शांति और समृद्धि हुई है। दिलवर पटेल ने कहा कि कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए हम लोग अथक परिश्रम कर रहे हैं और आमजनमस से सहयोग मानसिक, शारीरिक ,आर्थिक सहयोग का भी अपेक्षा कर रहे हैं , दीपू विश्वकर्मा ने कहा कि गणेश जी प्रथम पुज्यमान देवता हैं जिनकी कृपा से हम समिति के सदस्यों को लेकर कार्यक्रम सफल बनाने का प्रार्थना करते हैं,दीपक विश्वकर्मा ने कहा कि हम लोग हर वर्ष समिति द्वारा कुछ अच्छा और भक्तिमय कार्यक्रम आयोजन किया जा रहा हैं जिससे क्षेत्रीय लोगो द्वारा काफी प्रसंशा भी किया जा रहा हैं समाजसेवी विनीत तिवारी जी द्वारा हर वर्ष सामाजिक संगठनों शकुशल नेतृत्व में कार्यक्रम को अच्छा रूप दिया जा रहा हैं समाजसेवी अमित मिश्रा द्वारा परम्परागत रूप से होने वाले समिति के सदस्यों के साथ बैठक कर कार्यक्रम को सफल बनाने से समंधित उचित दिशानिर्देश दिया और आयोजक द्वारा प्रत्येक वर्ष का कारवाही रजिस्टर को देख कर कुछ प्रसाद एवं बैठने के प्रबंध को लेकर प्रस्ताव भी किया गया उक्त बैठक में समिति के अध्यक्ष विनोद [illegible] समिति के लोग आदि क्षेत्रीय गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

गोंगपा कार्यकर्ताओं ने पार्टी की मजबूती के लिए बनाई रणनीति

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। गोड़वाना गणतंत्र पार्टी(गोंगपा) कार्यकर्ताओं की मासिक बैठक रविवार को दोपहर में चोपन ब्लाक अंतर्गत तेलगुड़वा स्थित पार्टी कार्यालय पर हुई। जिसमें पार्टी की मजबूती के लिए विचार विमर्श कर आवश्यक रणनीति बनाई गई। जिलाध्यक्ष राम नरेश पोया ने कहा कि पार्टी की मजबूती के लिए सदस्यता अभियान चलाकर अधिक से अधिक सदस्य बनाने की जरूरत है। यह तभी संभव होगा जब गांव गांव जाकर लोगों की समस्याओं से अवगत होकर उनकी हर समस्याओं का निदान कराया जएगा। उन्होंने कहा कि बिजली, पानी, सड़क, चिकित्सा, शिक्षा, आवास, पेंशन आदि विभिनन्न समस्याओं का समाधान ब्लाक, कलेक्ट्रेट, विकास भवन, कोर्ट कचहरी, तहसील, अस्पताल आदि जगह पर पहुंच कर पार्टी कार्यकर्ता हर संभव समस्या से निजात दिलाने का काम करेंगे। बैठक में प्रस्ताव तैयार कर सांसद को समस्या के समाधान कराने के लिए सौपा गया। इसके अलावा 18 सितंबर को महाराजा शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह के शहादत दिवस परास पानी कोटा में मनाए जाने का निणन्य लिया गया। जिला प्रवक्ता एडवोकेट संतोष कुमार ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं की हर समस्याओं का समाधान कराया जाएगा। इसके लिए कोर्ट कचहरी, तहसील, कलेक्ट्रेट, ब्लाक, अस्पताल आदि जगहों पर जाकर हर संभव मदद की जाएगी। इसी प्रकार से अन्य वक्ताओं ने भी अपना विचार व्यक्त किया। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष राम नरेश पोया और संचालन जिला संगठन सचिव हीरालाल मरपची ने किया।बैठक में प्रमुख रूप से आरके सिंह,रामशंकर सिंह, श्याम बिहारी मरकाम,विनोद सिंह खरवार,रामचंद्र सिंह टेकाम, देवा सिंह, हीरालाल मरकाम, श्रीराम टेकाम, ज्ञानी सिंह पोया,रामरतन,महेश मरकाम,राम कुमार, अयोध्या प्रसाद टेकाम आदि शामिल रहे।

दीपक तले अंधेरा श्रमदान कर वार्ड वासी कर रहे हैं सड़क निर्माण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। जिला मुख्यालय के समीप चुर्क मोड़ स्थित वार्ड नं 4 नगर पालिका रावबट्र्सगंज सोनभद्र डीएवी के पास सहिजन खुर्द के नगरवासियों का सड़क की दयनीय स्थिती के कारण जीवन दयनीय बना हुआ है ।वही वार्ड अवगत कराया गया लेकिन कोई सुनने वाला नहीं मिला। थक हार कर लोगो ने रोड की दयनीय स्थिती की फोटो के साथ मुख्यमंत्री के पोर्टल पर किया गया लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई । पुनः सड़क परिवहन मंत्री नितिन गटकरी के ट्यूटर पर भी किया

वासियों ने बताया कि सड़क लगभग 1 किलोमीटर की है वहीं 8000 के आबादी वाले रवासियों का आना-जाना सड़क से होता है जिसमें बच्चो को स्कूल जाने में काफी दिक्कत हो रही है ।कही कोई सुनवाई नहीं हो रही है । नगर पालिका चेयरमैन में संपर्क किया गया बजट को रोना रोकर लोगों की समस्या ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। विधायक, सांसद, सभासद राकेश भारती को भी गया कोई सुनवाई नहीं होने पर सभी रहवासियों द्वारा चंदा इक्कठा कर गिट्टी मंगाकर अपना श्रम दान करके गड्ढा भरने का कार्य किया जा रहा है । किसी ने श्रम दान किया किसी ने धन दान कर गड्ढा भरने का कार्य किया जा रहा है। संजीव कुमार दिवेदी, रिंकु गुप्ता, मनीष शर्मा , राजेश कुमार, मदरघोष चिल्ड्रेन स्कूल के प्रबन्धक मुकेश जी , सौरभ कुमार, आनंद गिरि, मिथलेश यादव, रमाकांत यादव, काफी सहयोग रहा ।

भारी बारिश हुआ जल जमाव फसल सहित मार्ग भी डूबा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
म्योरपुर, सोनभद्र,। विगत दिनों से हो रही भारी बारिश ने ब्लॉक के गडिया गांव में भारी तबाही मचाने का काम किया है। इस गांव का संपर्क मार्ग डूब गया है जिससे सैकड़ो लोगों का आवागमन बाधित हो गया है और बच्चे विद्यालय तक नहीं जा पा रहे हैं। हालत इतनी बुरी है कि लोगों को इलाज भी नहीं मिल रहा है। बारिश के कारण कई किसानों की फसल पूरे तौर पर डूब चुकी है लेकिन उन्हें मुआवजा देने की कोई भी कार्रवाई नहीं की जा रही है। ऑल इंडिया पीपुल्स फ्रंट के जिला संयोजक कृपाशंकर पनिका और मजदूर किसान मंच के तहसील प्रभारी राम विचार गोंड ने आज गडिया का दौरा किया। नेताओं ने उक्त समस्याओं पर एसडीएम दुद्धी से दूरभाष पर वार्ता करके समस्याओं के निस्तारण का अनुरोध किया। नेताओं को ग्रामीणों ने बताया कि भारी बारिश से बेहद दिक्कतों का उन्हें सामना करना पड़ रहा है। प्रधान से लेकर जनप्रतिनिधियों ने विगत एक सप्ताह पहले वहां की समस्याओं को लेकर म्योरपुर ब्लॉक में ज्ञापन भी दिया था लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई। लोगों ने कहा कि यदि रपटा की जगह वहां पुलिया का निर्माण कर दिया जाए तो भविष्य में लोगों के आवागमन में कोई भी दिक्कत नहीं आएगी। किसानों की बर्बाद हुई फसल के लिए तत्काल मुआवजा की भी मांग लोगों ने उठाई। आइपीएफ नेताओं ने भरोसा दिलाया कि उनके सवालों को प्रशासन के संज्ञान में लाया गया है और यदि कार्रवाई नहीं होती है तो अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

100 केवीए का ट्रांसफार्मर की मांग कर ग्रामीणों ने किया विरोध प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
विंढमगंज सोनभद्र । थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत कोलिनडूबा में प्राइमरी विद्यालय के पास बीते 3 माह पूर्व बिजली विभाग के द्वारा आबादी धीरे-धीरे बढ़ जाने के कारण ज्यादा लोड बढ़ जाने से लो वोल्टेज की समस्या के मद्देनजर ग्रामीणों की मांग पर बिजली विभाग के संबंधित अधिकारियों के द्वारा तीन

क्षमता वृद्धि के मध्येनजर 100 केवीए का ट्रांसफार्मर लाकर रखा हुआ है जिसे संबंधितों के द्वारा नहीं लगाए जाने के कारण ग्राम प्रधान यदुनाथ यादव के अगुवाई में आज दोपहर के बाद दर्जनों ग्रामीणों ने आक्रोश व्यक्त किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार विकासखंड दुध्दि के अंतर्गत ग्राम पंचायत कोलिनडुबा में प्राइमरी विद्यालय के पास पूर्व में लगा 63 केवीए के ट्रांसफार्मर पर स्थानीय ग्रामीणों की माह पूर्व ही 100 केवीए ट्रांसफार्मर लाकर रखा गया है परंतु आज तक नहीं लगाए जाने से आक्रोशित ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान यदुनाथ यादव की अगुवाई में आक्रोश व्यक्त किया मौके पर मौजूद यदुनाथ यादव प्रधान ने कहा कि बिजली विभाग के संबंधित कर्मचारियों के द्वारा गांव के बिजली कनेक्शनधारी का शोषण किया जाना आम बात है इसी क्रम में बीते तीन महा पुर्व क्षमता वृद्धि के कारण लाकर रखे गए 100 केवीए का ट्रांसफार्मर को संबंधित कर्मचारियों के द्वारा ग्रामीणों से पैसा एकत्रित करके चबूतरा निर्माण करने की बात कही गई है परंतु ग्रामीण के द्वारा ट्रांसफार्मर रखने हेतु चबूतरा नहीं बनाए जाने के कारण आज तक उक्त ट्रांसफार्मर यथा स्थिति में पड़ा हुआ है जबकि इस ट्रांसफार्मर से गांव के मुसलमान बस्ती, हरिजन बस्ती, यादव बस्ती के ग्रामीण को बिजली की आपूर्ति की जाती है परंतु 63 केवीए का ट्रांसफार्मर होने के कारण लो वोल्टेज की समस्या बनी रहती है ट्रांसफार्मर नहीं लगाए जाने के कारण आज ग्रामीणों ने बिजली विभाग के संबंधित अधिकारियों के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया है तथा तत्काल ट्रांसफार्मर लगवाए जाने की मांग की है। इस मौके पर ग्रामीणों में रमेश विश्वकर्मा, जितेंद्र, अरविंद, श्याम नारायण विश्वकर्मा, अजय विश्वकर्मा जगदीश भारती, सुरेंद्र भारती, चंद्रशेखर यादव ,प्रदीप यादव , जदुनाथ यादव ग्राम प्रधान, अब्दुल हकीम, सतार जब्बार ,तुफैल आदि लोग मौजूद थे। जे ई बाबूनंदन से जब संपर्क साधा गया तो उनका मोबाइल स्विच ऑफ था। वही संविदा कर्मी संजय गुप्ता ने कहा कि 100 केवीए का ट्रांसफार्मर क्षमता वृद्धि के मध्य नजर लाकर रखा गया है जैसा जे ई कहेंगे हम लोग काम करने को तैयार हैं।

भाजपा सांसद कंगना रनौत सहित चार भाजपा नेत्रियों पर आपत्तिजनक अभद्र टिप्पणी करने वाले शक्तिनगर निवासी युवक के खिलाफ मामला दर्ज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
शक्तिनगर। सोशल मीडिया के

एक्स पर मंडी लोक सभा सीट से भाजपा सांसद कंगना रनौत सहित चार भाजपा नेत्रियों पर आपत्तिजनक व अभद्र टिप्पणी करने वाले शक्तिनगर के प्रेमनगर निवासी युवक को महंगा पड़ गया। पुलिस ने शनिवार को 67 आईटी एक्ट में मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी। जानकारी के मुताबिक कुछ लोगों ने शनिवार को एक्स के जरिये शक्तिनगर के प्रेम नगर निवासी तस्लीम अंसारी पुत्र मंसूर अंसारी नें सांसद कंगना रनौत, पूर्व मंत्री स्मृति ईरानी, नवनीत राणा और माधवी लता पर आपत्तिजनक व अभद्र टिप्पणी किया था। सोशल मीडिया से जानकारी के मुताबिक पश्चिम बंगाल के खड़कपुर में रेलवे वर्कशॉप में तस्लीम अंसारी काम करता है। शक्तिनगर थाना प्रभारी कुमुद शेखर सिंह ने बताया कि प्रेमनगर निवासी तस्लीम अंसारी के खिलाफ 67 आईटी एक्ट में मामला दर्ज कर लिया गया है।

पीडित निवेशको ने जिलाधिकारी कार्यालय पर दिया धरना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। ठगी पीडित जमाकर्ता परिवार जिला कार्यकारिणी सोनभद्र जिलाध्यक्ष गिरीश कुमार मिश्र ने बताया कि संगठन ने अपने भुगतान दावा आवेदन जिला अधिकारी महोदय के यहां प्रस्तुत किए है लेकिन अब तक विधि सम्मत किसी भी पीडित का भुगतान नहीं हुआ। इस

द्वारा विभिन्न चिटफंड कंपनियों व सोसाइटियों में जमा अपने मेहनत का पैसा वापस पाने हेतु शासन प्रशासन व अन्य अधिकारियों को कई बार ज्ञापन, संसद में बना कानून अनियमित जमा योजनाएं पाबंदी कानून 2019 'भुगतान गारंटी अधिकार अधिनियम' के तहत पीडितों से आवेदन लेने एवं भुगतान कराए जाने हेतु दिया है। कई पीडितों कारण पीडितों में, अपने भुगतान की पीड़ा का समाधान नहीं होने से । काफी रोष है। इसलिए समस्त चिटफंड कंपनियों के पीडित निवेशक अब शासन प्रशासन एवं अन्य अधिकारियों द्वारा विधि की पालना धरातल पर करवाने हेतु, भुगतान की त्रिस्तरीय मांगों को लेकर 1 सितंबर को जिला मुख्यालय पर अहिंसक शांतिपूर्ण अनिश्चितकालीन असहयोग आंदोलन सत्याग्रह के माध्यम से करेंगे। भुगतान की तीन मांग है 1. भुगतान की गारंटी के अधिकार कानून अनियमित जमा योजनाएं पाबंदी अधिनियम 2019 (ठनके। बज2019) प्रत्येक ठगी पीडित निवेशक की जमाराशि का दो से तीन गुणा भुगतान तुरंत करें। 2. बेरोजगार निर्दोष एजेंट्स को सुरक्षा सम्मान रोजगार और पुनर्वास का अधिकार दें. 3. भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 111 के तहत प्रत्येक ठग बेईमान को मृत्युदंड देकर पावन पवित्र हिंदुस्तान को गमुक्त बेईमान रहित राष्ट्र राज्य के रूप में स्थापित करने में सहयोग प्रदान करे। ठगी पीड़ित जमाकर्ता परिवार के जिलाध्यक्ष गिरीश कुमार मिश्रा राजेश कुमार जायसवाल निरंजन त्रिपाठी देवनाथ सिंह रामचंद्र सिंह जयप्रकाश दीपक यादव विजय विश्वकर्मा कमला विश्वकर्मी नंदलाल मोर्य संगीता कलावती कंचन प्रभा कबूतरी आदि मौजूद थे।

स्पोर्ट्स

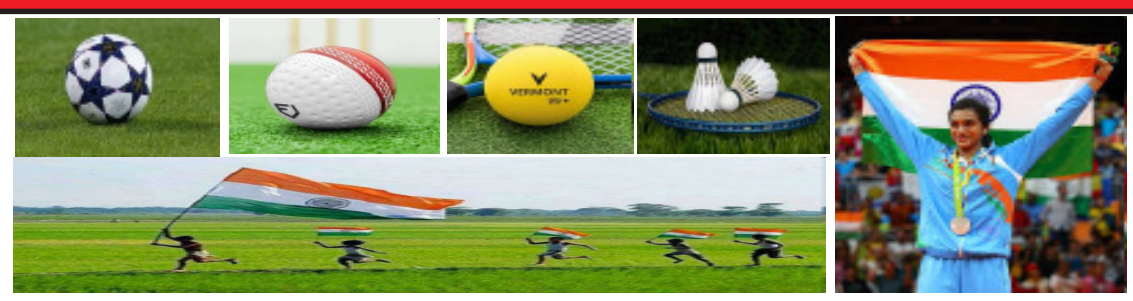

निषाद ने भारत को दिलाया रजत पदक, स्वर्ण से चूकने का अफसोस, ऊंची कूद टी47 स्पर्धा में यूएस को सोना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। निषाद कुमार ने ऊंची कूद टी47 स्पर्धा में रविवार-सोमवार की दरम्यानी रात भारत को रजत पदक दिलाया। हालांकि, निषाद को स्वर्ण से चूकने का अफसोस भी रहा। इस ऊंची कूद टी47 स्पर्धा में अमेरिका के खिलाड़ी को स्वर्ण पदक मिला। अमेरिका के टाउनसेंड रोडेरिक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया।निषाद कुमार ने ऊंची कूद टी47 स्पर्धा में किया शानदार प्रदर्शन, पेरिस में लगाई सीजन की सर्वश्रेष्ठ छलांग पेरिस में सफलता के बाद लगातार दो पैरालंपिक पदक जीतने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय होने का गौरव निषाद के नाम हो गया है। पैरालंपिक ऊंची कूद टी47 स्पर्धा में निषाद कुमार ने अमेरिकी प्रतिद्वंद्वी रोडेरिक को कड़ी टक्कर दी। निषाद ने टोक्यो पैरालंपिक 2020 में भी रजत पदक अपने नाम किया था खेल भावना की शानदार मिसाल, अमेरिकी खिलाड़ी को भारत के निषाद कुमार ने गले लगकर दी बधाई पेरिस पैरालंपिक में निषाद ने रजत जीतने के बाद खेल भावना की शानदार मिसाल पेश की। उन्होंने अमेरिकी खिलाड़ी की सुनहरी कामयाबी पर बांहों में भरकर बधाई दी। कांटे की टक्कर में निषाद दूसरे स्थान पर रहे, जबकि अमेरिकी खिलाड़ी ने इस सीजन अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। भारत को पदक दिलाने की खुशी के साथ-साथ निषाद को स्वर्ण से चूकने का अफसोस भी रहा। उन्हें तीसरे प्रयास में असफल होने के बाद भावुक भी देखा गया। पेरिस में पदक जीतने के बाद खेल के मंच को नमन करते देखा गया। 24 साल के युवा निषाद कुमार भारत को पेरिस पैरालंपिक में सातवां पदक दिलाया इस स्पर्धा का कांस्य पदक मार्गिएव जॉर्जी ने जीता। पैरालंपिक रिकॉर्ड के मुताबिक उन्होंने किसी देश की तरफ से शिरकत नहीं की है। जॉर्जी ने तटस्थ खिलाड़ी के तौर पर पेरिस पैरालंपिक 2024 में भाग लिया।

भाविना ने टेबल टेनिस में किया शानदार प्रदर्शन, क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं, अब इस खिलाड़ी से सामना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भाविना ने टेबल टेनिस में किया शानदार प्रदर्शन, क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं, अब इस खिलाड़ी से सामनाटोक्यो पैरालंपिक की रजत पदक विजेता भारत की भाविना पटेल ने रविवार को मेक्सिको की मार्था वर्डिन पर 3-0 की जीत के साथ पैरालंपिक में महिला एकल वर्ग 4 टेबल टेनिस स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। भाविना ने अंतिम 16 राउंड के मुकाबले में मार्था को 11-3, 11-6, 11-7 से हरा दिया। गुजरात की 37 वर्षीय खिलाड़ी अब क्वार्टर फाइनल में गत चैंपियन चीन की यिंग झोउ से भिड़ेंगी। चीनी खिलाड़ी ने टोक्यो पैरालंपिक के फाइनल में भाविना को हराया था।वर्ग 4 के खिलाड़ी हाथों और बाजुओं के साथ व्हीलचेयर पर बैठकर प्रतिस्पर्धा करते हैं। उनकी दुर्बलता रीढ़ की हड्डी के घाव या सेरेब्रल पाल्सी के कारण हो सकती है। भाविना को कम उम्र में पोलियो हो गया था। पैरा टेबल टेनिस की दुनिया में उनका सफर तब शुरू हुआ जब उन्होंने 2009 में राष्ट्रीय प्रतियोगिता जीती। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। भाविना 2022 पैरा राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक विजेता और 2022 पैरा एशियाई खेलों में कांस्य पदक विजेता है।

इंग्लैंड ने श्रीलंका को दूसरे टेस्ट मैच में 190 रनों से हराया, सीरीज में बनाई बढ़त, एटकिंसन चमके

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। जीत के लिए विश्व रिकॉर्ड 483 रन का पीछा करते हुए श्रीलंका की दूसरी पारी 292 रन पर सिमट गई। इंग्लैंड की ओर से एटकिंसन ने पांच विकेट झटके। इंग्लैंड ने पिछले सप्ताह मैनचेस्टर में सीरीज का पहला मैच पांच विकेट से जीता था। तीसरा मैच शुक्रवार से द ओवल मैदान पर खेला जाएगा।इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जो रूट ने इस मैच की दोनों पारियों में शतक लगाकर टीम की बड़ी जीत की नींव रखी। इससे पहले, श्रीलंका ने दिन की शुरुआत दो विकेट पर 53 रन पर करने के बाद प्रभात जयसूर्या (चार) का विकेट जल्दी ही गवां दिया। वह क्रिस वोक्स की गेंद पर दूसरे स्लिप में लपके गए। करुणारत्ने और एंजेलो मैथ्यूज (36) ने इसके बाद 55 रन की साझेदारी कर पारी को संवारा। करुणारत्ने टेस्ट में 54वीं बार अर्धशतक लगाने के बाद ओली स्टोन की उछाल लेती गेंद को संभालने में विफल रहे और गेंद उनके दस्तानों से टकराकर विकेटकीपर जैमी स्मिथ के हाथों में चली गई। लंच के विश्राम के बाद मैथ्यूज संभल कर बल्लेबाजी की जबकि दिनेश चांदीमल (58) ने आक्रामक रूख अपनाया।

गावस्कर ने भारत को बताया ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत का दावेदार, टेस्ट सीरीज को लेकर की ये भविष्यवाणी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भारत 32 साल के बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगा। दोनों देशों के बीच यह सीरीज 22 नवंबर से पर्थ में होने वाले पहले टेस्ट मैच से शुरू होगी। गावस्कर ने एक कॉलम में लिखा, दोनों टीमों में जिस तरह के प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं, उसे देखते हुए यह एक रोमांचक सीरीज होने वाली है और यह सीरीज साबित करेगी कि क्यों टेस्ट क्रिकेट इस खेल का अल्टीमेट प्रारूप है। मेरी भविष्यवाणी है कि भारत यह सीरीज 3-1 से अपने नाम करेगा। गावस्कर ने डेविड वॉर्नर के संन्यास लेने के बाद ऑस्ट्रेलिया की ओपनिंग जोड़ी को लेकर चिंता जताई। उन्होंने इसके साथ ही सीरीज से पहले तैयारी के लिए अभ्यास मैच नहीं होने पर भी चिंता जाहिर की। उन्होंने लिखा, डेविड वॉर्नर के संन्यास लेने के बाद ऑस्ट्रेलिया की ओपनिंग जोड़ी में थोड़ी दिक्कत आई है और मध्य क्रम भी थोड़ा कमजोर है। भारत सेना देशों के खिलाफ विदेश में धीमी शुरुआत करता है और पहला टेस्ट काफी महत्वपूर्ण होगा।

प्रीति पाल ने महिला 200 मीटर में जीता कांस्य, पेरिस पैरालंपिक में दूसरा मेडल; भारत के कुल छह पदक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। प्रीति ने फाइनल में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 30.01 सेकेंड में दौड़ पूरी की और पोडियम स्थान प्राप्त करने में सफल रहीं। उन्होंने पेरिस में अपना दूसरा पदक जीता और इसी के साथ भारत के कुल छह पदक हो गए है। भारतीय पैरा एथलीट प्रीति पाल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए महिला 200 मीटर टी35 स्पर्धा में कांस्य पदक अपने नाम किया। प्रीति ने फाइनल में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 30.01 सेकेंड में दौड़ पूरी की और पोडियम स्थान प्राप्त करने में सफल रहीं। प्रीति का पेरिस पैरालंपिक में यह दूसरा पदक है। इससे पहले उन्होंने महिलाओं की 100 मीटर टी35 वर्ग में कांस्य पदक अपने नाम किया था। 23 वर्षीय प्रीति का कांस्य पदक पेरिस में भारत का दूसरा पैरा एथलेटिक्स पदक भी है। इससे पहले प्रीति ने ही 100 मीटर स्पर्धा में भी पदक जीता था। टी35 में वो खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं जिनमें हाइपरटोनिया, अटैक्सिया और एथेटोसिस जैसी समन्वय संबंधी विकार होते हैं। प्रीति पाल ने महिलाओं की टी35 वर्ग की 100 मीटर स्पर्धा में 14.21 सेकेंड के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय से कांस्य हासिल किया था। भारत ने 1984 चरण से एथलेटिक्स में जो भी पदक जीते हैं, वे सभी फील्ड स्पर्धा में मिले। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर के किसान की बेटी प्रीति ने पैरालंपिक के दूसरे दिन भारत का एथलेटिक्स पदक का खाता खोला था और अब उन्होंने एक बार फिर कांस्य अपने नाम किया। प्रीति मई में विश्व पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में इसी स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने के बाद पेरिस आई थीं। पैरालंपिक के 1984 चरण के बाद से भारत ने जो भी एथलेटिक्स पदक जीते थे वो सभी फील्ड स्पर्धा से आए थे।

पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे टेस्ट में बांग्लादेश ने की वापसी, लिटन दास ने खेली शतकीय पारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। बांग्लादेश ने पहली पारी में 262 रन बनाए। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक दूसरी पारी में पाकिस्तान ने दो विकेट गंवाकर नौ रन बना लिए हैं और उसकी कुल बढ़त 21 रन की हो गई है। बांग्लादेश ने लिटन दास के शतक और मेहदी हसन मिराज के अर्धशतक की मदद से पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में वापसी की। पाकिस्तान के लिए तेज गेंदबाज खुर्रम शहजाद ने करियर में पहली बार पांच विकेट झटके, लेकिन बांग्लादेश खुद को मुश्किल स्थिति से निकालने में सफल रहा। बांग्लादेश ने पहली पारी में 262 रन बनाए। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक दूसरी पारी में पाकिस्तान ने दो विकेट गंवाकर नौ रन बना लिए हैं और उसकी कुल बढ़त 21 रन की हो गई है। पाकिस्तान ने शहजाद और सलामी बल्लेबाज अब्दुल्ला शफीक का विकेट गंवा दिया। सईम अयूब छह रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे।इससे पहले, लिटन और मेहदी दोनों ने लंच के बाद इस तेज गेंदबाज का डटकर सामना करते हुए 165 रन की साझेदारी की। शहजाद ने सुबह के सत्र में चार विकेट चटकाए और फिर अपने खाते में दो और विकेट जोड़े। चाय ब्रेक के तुरंत बाद लिटन ने अपना शतक पूरा किया और 10वें नंबर के खिलाड़ी हसन महमूद (नाबाद 13) के साथ 69 रन जोड़कर पाकिस्तान को और निराश किया। पाकिस्तान का क्षेत्ररक्षण खराब रहा जिसमें उसके खिलाड़ियों ने कई कैच छोड़े। बांग्लादेश का शीर्ष क्रम शहजाद और मीर हमजा (50 रन देकर दो विकेट) की शानदार सीम और स्विंग के सामने लड़खड़ा गया। सुबह बिना विकेट गंवाए 10 रन से खेलने उतरी बांग्लादेश ने जल्द ही छह विकेट गंवा दिए। हालांकि, इसके बाद लिटन और मेहदी ने शानदार शतकीय साझेदारी करके तेज गेंदबाजों के साथ स्पिन पर अपना दबदबा बनाया और बांग्लादेश को वापसी कराई। पाकिस्तान ने पहले दिन का खेल धुलने के बाद दूसरे दिन पहली पारी में 274 रन बनाए थे।

राशि फल

आपका सामान्य रहने वाला है, स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा। आप किसी लंबी यात्रा आदि पर जा सकते हैं, वाहन आदि का उपयोग संभाल कर करें।	भागदौड़ से भरा रहेगा, आपका मन अशांत रहेगा। स्वास्थ्य में गिरावट महसूस करेंगे, व्यापार-व्यवसाय में कोई बड़ी डील हाथ से निकल सकती है। पार्टनर से मतभेद हो सकते हैं।	आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा, कोई रुका हुआ पुराना कर आज पूरा होगा। स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव दिखाई पड़ेगा। व्यापार-व्यवसाय में आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।	आपका दिन अच्छा रहने वाला है, स्वास्थ्य ठीक रहेगा। किसी कार्य के लिए आप प्रयास कर रहे हैं, तो आज आपको उसमें सफलता मिलेगी। व्यापार-व्यवसाय में कोई बड़ा ।
कुछ परेशानियों भरा रह सकता है। आप व्यर्थ के वाद विवाद में फंस सकते हैं, कोई झूठा आरोप आप पर लग सकता है। स्वास्थ्य की दृष्टि से आज आप कमजोरी महसूस करेंगे।	किसी अपने के व्यवहार के कारण परेशान हो सकते हैं। किसी संबंधी से बड़ा विवाद हो सकता है। आप स्वास्थ्य में गिरावट महसूस करेंगे। पार्टनर का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।	आपका मन प्रसन्न रहेगा, किसी विशेष व्यक्ति से मिलना होगा। आपके स्वास्थ्य में लाभ होगा, आप किसी धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। परिवार के साथ संबंध मधुर होंगे ।	आपके लिए सफलता से भरा रहेगा। नौकरी आदि का प्रयास कर रहे हैं, तो आज सफल होंगे। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा। परिवार में माता-पिता की स्वास्थ्य में लाभ होगा।
आप स्वास्थ्य को लेकर परेशान रह सकते हैं। पारिवारिक समस्याओं के कारण मन अशांत रह सकता है। पार्टनर से मतभेद हो सकते हैं।	आपका दिन परेशानियों से भरा रहेगा, स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। व्यापार आदि में हानि उठानी पड़ सकती है। लंबी यात्रा पर जाएं, तो वाहन आदि का उपयोग संभलकर करें।	आपके लिए बहुत अच्छा रहने वाला है। न्यायालय पक्ष में विजय प्राप्त होगी, सोचे हुए कार्य पूर्ण होंगे। मित्रों और संबंधियों का आर्थिक रूप से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा।	आप कोई नया कार्य शुरू करेंगे। किसी विशेष व्यक्ति के आगमन से मन प्रसन्न रहेगा। माता-पिता परिवार के साथ आप किसी बड़े कार्य की योजना बना सकते हैं।

नितेश के बाद सुहास भी फाइनल में पहुंचे, बैडमिंटन में पक्के हुए दो पदक, सुकांत को अब कांस्य की आस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। नितेश ने फुजिहारा को 21-16, 21-12 से हराया। नितेश अब सोमवार को स्वर्ण पदक के लिए चुनौती पेश करेंगे। भारतीय पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी नितेश कुमार और सुहास एलवाई ने अपने-अपने वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबला जीतकर फाइनल में प्रवेश किया। इस तरह बैडमिंटन में भारत के दो पदक पक्के हो गए हैं। पहले नितेश ने जापान के फुजिहारा डी को हराकर पुरुष एकल एसएल3 वर्ग के फाइनल में जगह बनाई। नितेश ने फुजिहारा को 21-16, 21-12 से हराया। इसके बाद सुहास ने एसएल4 वर्ग में हमवतन सुकांत कदम को 21-17, 21-12 से हराया और स्वर्ण पदक के मैच में प्रवेश कर लिया। सुकांत भले ही स्वर्ण के लिए चुनौती नहीं पेश कर सकेंगे, लेकिन उनके पास कांस्य हासिल करने का मौका रहेगा। नितेश और सुहास अब सोमवार को स्वर्ण पदक के लिए चुनौती पेश करेंगे।पिछले साल चीन में एशियाई पैरा खेलों में रजत पदक जीतने वाले एसएल 3 वर्ग के खिलाड़ी नितेश गरुप चरण में शीर्ष पर रहे थे। मालूम हो कि एसएल3 वर्ग निचले अंगों की गंभीर दिव्यांगता वाले खिलाडियों के लिए को फाइनल में ब्रिटेन के डेनियल बेथेल से होगा जिन्होंने दूसरे सेमीफाइनल में थाईलैंड के बन्सन मोंगखोन को 21-7, 21-9 से हराया। टोक्यो पैरालंपिक में प्रमोद भगत के बाद दूसरे स्थान पर रहे बेथेल अब नितेश के लिए एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी है। नितेश की खेल यात्रा की शुरुआत बचपन में फुटबॉल के प्रति जुनून के साथ शुरू हुई। उन्हें हालांकि विशाखापत्तनम में एक दुर्घटना के कारण महीनों तक बिस्तर पर रहना पड़ा। इस दुर्घटना में उनका पैर स्थायी रूप से क्षतिग्रस्त हो गया। इसके बावजूद, खेलों में उनकी रुचि बनी रही। आईआईटी-मंडी में पढ़ाई के दौरान उन्होंने बैडमिंटन में गहरी रुचि विकसित की। फाइनल में अब सुहास का सामना फ्रांस के लुकास माजुर से होगा जो तीन साल पहले टोक्यो पैरालंपिक के फाइनल में उनसे हारने के बाद बदला चुकता करना चाहेंगे। सुहास पैरालंपिक में लगातार दो पदक जीतने वाले पहले भारतीय शटलर बनने के लिए तैयार हैं। कंप्यूटर इंजीनियर से आईएएस अधिकारी बने सुहास ने अपने टखने की कमजोरी को बैडमिंटन के प्रति अपने जुनून में कभी बाधा नहीं बनने दिया। वर्तमान में उत्तर प्रदेश सरकार के तहत युवा कल्याण और प्रांतीय रक्षक दल के सचिव और महानिदेशक के रूप में तैनात सुहास का प्रशासन से बैडमिंटन कोर्ट तक का सफर उनकी उल्लेखनीय दृढ़ता के बारे में है।

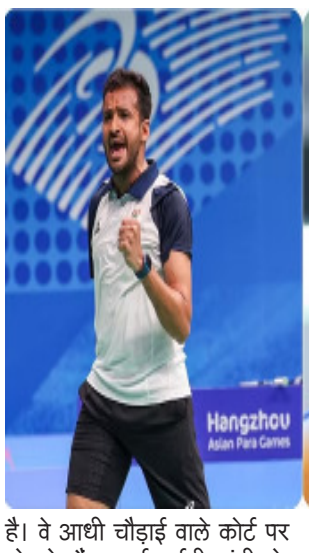

सम्पादकीय

अगले महीने यूएनजीए की चर्चाएं अहम, शांति सम्मेलन की संभावना से इनकार नहीं

यदि मोदी की यात्रा इतनी महत्वहीन थी, जैसा कि मोदी के आलोचक आरोप लगा रहे हैं, तो बाइडन और पुतिन, दोनों को यह जानने में इतनी दिलचस्पी क्यों थी कि जेलेंस्की से क्या बात हुई उनके आलोचक मानें या नहीं, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी की स्वीकृति और उनका कद अन्य वैश्विक नेताओं से ज्यादा है। प्रधानमंत्री मोदी की यूक्रेन की राजधानी कीव की बहुचर्चित यात्रा की ऐतिहासिक प्रतीकात्मकता के बावजूद सोशल मीडिया पर गैर-जरूरी और निरर्थक बहस छिड़ गई है। प्रधानमंत्री मोदी यूक्रेन की यात्रा करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बन गए हैं, वह भी तब, जब वह रूस के साथ भीषण युद्ध में उलझा हुआ है। उन्हें पोलैंड की सीमा से करीब 10 घंटे की कठिन यात्रा करनी पड़ी। उनके इस साहसिक प्रयास की सराहना की जानी चाहिए इस यात्रा को लेकर यह आरोप कि यह फोटो खिंचवाने के लिए थी, बचकानी लगती है। वाशिंगटन की राजकीय यात्रा के दौरान या हिरोशिमा में जी-7 शिखर सम्मेलन में या पिछले साल आसियान और दक्षिण पूर्व एशिया शिखर सम्मेलनों में जिस तरह से उनका स्वागत किया गया और पिछले साल सितंबर में जी-20 शिखर सम्मेलन की उन्होंने जिस तरह अध्यक्षता की, क्या उससे लगता है कि उन्हें फोटो खिंचवाने के लिए मौके की तलाश होनी चाहिए? चाहे उनके आलोचक मानें या नहीं, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी अमेरिकी व फ्रांस के राष्ट्रपतियों, ब्रिटिश, कनाडाई, जापानी और ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्रियों तथा जर्मनी के चांसलर से ज्यादा वरिष्ठ एवं राजनीतिक रूप से अधिक स्थायित्व वाले नेता हैं, उन सबसे ज्यादा मोदी की स्वीकार्यता है। वह वैश्विक नेता माने जाते हैं! इसलिए पुतिन को यह बताते हुए कि 'यह युद्ध का युग नहीं है' (ताशकंद, एससीओ समिट) और 'मौजूदा संघर्ष का समाधान युद्ध के मैदान में नहीं पाया जा सकता' (मास्को, जुलाई), उन्होंने युद्ध की भयावहता और इससे होने वाली मानवीय पीड़ा को रेखांकित करते हुए शांति की संभावनाओं को तलाशने की पहल की, जिससे न केवल दोनों युद्धरत देशों को लाभ होगा, बल्कि पूरे ग्लोबल साउथ के देशों को भी फायदा होगा, जो किसी पक्ष में शामिल हुए बगैर युद्ध के नकारात्मक परिणामों का खामियाजा भुगत रहे हैं। युद्ध समाप्त करने के लिए रूस से बात करने का आग्रह करते हुए मोदी ने जेलेंस्की से कहा, 'मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि भारत शांति की दिशा में किसी भी प्रयास में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। अगर मैं व्यक्तिगत रूप से इसमें कोई भूमिका निभा सकता हूं, तो मैं ऐसा करूंगा, मैं आपको एक मित्र के रूप में आश्वस्त करना चाहता हूं। उन्होंने पोलैंड से जेलेंस्की को संदेश भेजा था, 'आज का भारत सबसे जुड़ना चाहता है और सबके विकास की बात करता है। भारत सबके साथ है और सबके हितों के बारे में सोचता है...भारत इस क्षेत्र में स्थायी शांति का हिमायती है। हमारा रुख बहुत स्पष्ट है, यह युद्ध का युग नहीं है।' जाहिर है, जब मोदी ने इतना स्पष्ट कहा, तो छिपा हुआ एजेंडा कहां है मोदी ने पुतिन की तुलना में जेलेंस्की को ज्यादा गर्मजोशी से गले लगाया (हालांकि जेलेंस्की चिड़चिड़े से दिख रहे थे) और एक बड़े भाई की तरह उनके कंधे पर हाथ रखकर चले। मोदी के इन नेकनीयत इशारों से जेलेंस्की का गुस्सा शांत हो जाना चाहिए था। जुलाई में जब मोदी ने पुतिन को गले लगाया था, तो जेलेंस्की ने उसे शांति प्रयासों के लिए विनाशकारी बताया था। लेकिन जिस तरह से जेलेंस्की ने मोदी को लेकर ट्रेन के यूक्रेनी क्षेत्र से रवाना होने से पहले ही प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारत की आलोचना की, वह अत्यंत अशिष्ट और अकूटनीतिक था। करण थापर और पूर्व विदेश सचिव और रूस के राजदूत कंवल सिब्बल जैसे कुछ टिप्पणीकारों ने उनकी टिप्पणियों को असभ्य और अपरिपक्व कहा है। उन्हें लगा कि जेलेंस्की ने भारत को नीचा दिखाया और ऐसी शर्तें तय करने की कोशिश की, जो अमेरिकियों ने भी कभी नहीं कीं। विदेश मंत्री जयशंकर ने कीव में अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि अगले शांति सम्मेलन का प्रारूप यूक्रेन पर निर्भर करता है, जबकि भारत का मानना है कि किसी भी व्यावहारिक प्रगति के लिए रूस की उपस्थिति आवश्यक है। अगर मोदी की यात्रा इतनी महत्वहीन थी, जैसा कि मोदी के आलोचक आरोप लगा रहे हैं, तो बाइडन और पुतिन, दोनों को यह जानने में इतनी दिलचस्पी क्यों थी कि जेलेंस्की के साथ उनकी बातचीत में क्या हुआ? हालांकि उम्मीदें बहुत कम थीं, लेकिन यह व्यर्थ की कवायद नहीं थी। यह शांति की संभावनाओं को तलाशने का एक प्रयास था कि सैन्य टकराव खूनी संघर्ष को समाप्त करने का कोई विकल्प नहीं है, जिससे दुनिया भर में लाखों लोग प्रभावित होते हैं। क्या इस संदेश को आगे बढ़ाने के लिए मोदी से अधिक उपयुक्त और बेहतर कोई अन्य विश्व नेता है कई लोगों ने यात्रा के समय पर सवाल उठाए है, जब यूक्रेन ने कुर्स्क में 1,400 वर्ग किलोमीटर रूसी क्षेत्र पर कब्जा करने का दावा किया है।

रसूख और हवस की आग में शर्मसार हुआ मलयालम सिनेमा

उत्तर भारत खासकर हिन्दी जनता को मलयालम सिनेमा और इसके कार्य प्रणाली की जानकारी नहीं के बराबर है। पर जो लोग इसके विषय में जानते हैं, इसे मुख्य रूप से अम्मा (एसोशिएसन ऑफ़ मलयालम मूवी आर्टिस्ट,''र्श्ई) संस्था चलाती है। अब आरटीआई के तहत केरल फ़िल्म इंडस्ट्री में इस रिपोर्ट के सार्वजनिक होने से पैंडोरा बॉक्स खुला है। पर क्या पूरा खुला है? नहीं, पूरा बॉक्स नहीं खुला है। केरल की फ़िल्मों ने भारतीय फ़िल्मों को एक नई ऊंचाइयां दी है। हिन्दी नहीं खुला है। हर क्षेत्र के सत्ताधारी बहुत शक्तिशाली होते हैं, चाहे वह राजनीति का क्षेत्र हो अथवा फ़िल्म या कोई अन्य विभाग क्यों न हो। कारण, अगर पूरी रिपोर्ट का खुलासा हो गया तो, कई लोगों की प्रतिष्ठा दांव पर लग जाएगी। दरअसल, 315 पनन्नें की रपट में कुछ पनन्ने सरकार सार्वजनिक नहीं कर रही है। एक खबर के अनुसार न्यायालय ने 21 पैराग्राफ़ गुप्त रखने की बात कही है, मगर सरकार ने 128 पैराग्राफ़ नहीं दिखाए है। इस रिपोर्ट में मलयालम फ़िल्म इंडस्ट्री पतनी को बता दी थी। केस दर्ज होने पर दिलीप को सजा हुई, मगर वह कुछ महीनों में जेल से बाहर आ गया। मुकदमा चल रहा है। 'अम्मा' ने सजा के दौरान दिलीप की सदस्यता समाप्त कर दी थी, मगर जमानत पर छूटते ही उसे पुनः सदस्यता दे दी। सब लोग उस स्त्री का नाम जानते हैं, मगर बलत्कृता का नाम लेना न्याय विरुद्ध है। जो नियम नहीं जानते हैं, वे उसका नाम लेने की अनजाने में भूल करते हैं। केरल ने उन्हें 'अतिजीविता' नाम से अभिसिक्त शोषण को उजागर करने के लिए कटिबद्ध हैं। उनकी यह निर्भीकता काबिले तारीफ़ है। हां, 'अम्मा' ने अवश्य अघोषित फ़तवा जारी किया हुआ था, जो डब्लूयूसीसी से जुड़ा है, उसका कोई नाम नहीं लेगा, उससे संपर्क नहीं रखेगा और न ही उसे कोई काम दिया जाए। शायद इसीलिए कई साल से प्रतिष्ठित पुरस्कार पाने के बावजूद पार्वती तिरुवोतु मलयायलम की मुख्यधारा सिनेमा में नहीं के बराबर नजर आई हैं। 'अम्मा' की पुरुषसत्तात्मक कार्यप्रणाली से नाखुश होकर पार्वती स्त्रियों की सुरक्षा और सम्मान का दावा करती है, 'ऐसा तो सब जगह होता है', कह कर सरकार के कई लोगों ने इसे हल्का बनाने का प्रयास कर रहे हैं। शक्ति संरचना सब स्थान पर है।' मतलब यह मुद्दा कोई बड़ा मुद्दा नहीं है। कुछ का कहना है, जिनके साथ अत्याचार-शोषण हुआ है, उन्होंने रिपोर्ट क्यों नहीं दर्ज की। सदा की तरह कुछ लोग स्त्रियों को उनके व्यवहार-पहनावे को दोष दे रहे हैं। वे भूल जाते हैं स्त्री का ऐसा कर पाना कितना कठिन होता है। और पूरी अभी तक इसी कोई शिकायत सामने नहीं आई है। जयराम, पृथ्वीराज सुकुमारन आदि कुछ ऐसे ही कलाकार हैं। फ़िल्म इंडस्ट्री से जुड़े पृथ्वीराज सुकुमारन, जगदीश, टोविनो थॉमस जैसे पुरुष सामने आए हैं और उन्होंने हेमा रिपोर्ट में दोषी लोगों के साथ कड़ी कार्यवाही करने की मांग की है। सब अत्याचारियों को सख्त सजा मिलनी चाहिए है ऐसा अग्रणी-पुरस्कृत (इस साल की सर्वोत्तम अभिनेत्री का भी पुरस्कार पाने वाली) अभिनेत्री उर्वशी ने भी कहा है। इसमें शक नहीं,

फ़िल्म उद्योग को उसने चुनौती दी है। सबटाइटिल्स और डबिंग की सहूलियत के चलते आज देश-विदेश की अन्य भाषाओं का सिनेमा काफ़ी हद तक आसान हुआ है। केरल के सिनेमा की थीम, कलाकारों की अभिमय कुशलता, कैमरावर्क, संगीत की सब ओर जमकर प्रशंसा हो रही है। मगर इस महीने के प्रारंभ में हेमा कमीशन के खुलासे ने केरल फ़िल्म उद्योग की चूलें हिला दी हैं। वहां पिछले दो सप्ताह से मीडिया और जनता की जबान पर इस रिपोर्ट के अलावा कोई और बात नहीं है। मीडिया भले ही बढ़-चढ़ कर चीख रहा हो, पर भीतर का सच अभी पूरी तरह आना है। कभी पूरा आएगा, इसमें शक है। युवाओं की महत्वाकांक्षाओं का रसूख वाले लोग अपनी हवस पूर्ति के लिए दुरुपयोग करते हैं। किसी मजबूरी में समझौता करने वाले को भी सबसे पहले अपनी आत्मा गिरवी रखनी होती है। असल में सत्ताधारियों के कच्चे चिट्ठे की यह हेमा कमीशन रिपोर्ट साढ़े चार साल पहले यानी 2019 में आ गई थी। अब आरटीआई के तहत केरल फ़िल्म इंडस्ट्री में इस रिपोर्ट के सार्वजनिक होने से पैंडोरा बॉक्स खुला है। पर क्या पूरा खुला है? नहीं, पूरा बॉक्स में स्त्रियों से जुड़े यौन शोषण-अत्याचार तथा लिंग असामनता की बात विस्तार से आई है। रिपोर्ट के मुताबिक इन आरोपियों में कई सिने तथा कई सरकारी उच्च पदासीन शामिल हैं। बाकी के पनन्ने भी सार्वजनिक करने की लड़ाई जारी है।उत्तर भारत खासकर हिन्दी जनता को मलयालम सिनेमा और इसके कार्य प्रणाली की जानकारी नहीं के बराबर है। पर जो लोग इसके विषय में जानते हैं, इसे मुख्य रूप से अम्मा (एसोशिएसन ऑफ़ मलयालम मूवी आर्टिस्ट,''र्श्ई) संस्था चलाती है। यह संस्था पूरी तरह पुरुषसत्तावादी है। इससे असहमत होने वाले की खैर नहीं, चाहे वह स्त्री हो अथवा पुरुष। दस शक्तिशाली अभिनेताओं के समूह की गिरफ़्त में पूरा मलयालम सिने-जगत था। वरिष्ठ अतिकुशल अभिनेता तिलकन इसका एक उदाहरण रहे हैं। कहा जाता है कि आरोपी अभिनेता दिलीप होने को तो अम्मा का एक सामान्य सदस्य था, मगर उसकी खूब चलती थी। दिलीप ने एक अन्य स्त्री कलाकार का अपहरण कर उसका कार में बलात्कार करवाया था। कारण था एक अन्य स्त्री से सम्पर्क की बात इस बलत्कृता स्त्री ने दिलीप की किया हुआ है। क्योंकि खुद उनके अनुसार वे विक्टिम नहीं सर्वाइवर हैं। इसी संदर्भ में मलयालम फ़िल्म उद्योग की कुछ स्त्रियां उठ खड़ी हुई और उन्होंने स्त्रियों के प्रति होते अन्याय, रोकने केलिए, 'अम्मा' को चुनौती देती हुई इन कुछ स्त्री कलाकारों, पार्वती तिरुवोतु, अंजलि मेनन, रीमा कल्लिंगल, मंजु वारियर आदि ने मिल कर 2017 में 'वीमेन इन सिनेमा कलेक्टिव' (ंण्ण) की स्थापना की। मलयालम फ़िल्म इंडस्ट्री में लिंग समानता तथा सुरक्षा एवं यौनिक अत्याचार से बचाव के लिए यह संस्था प्रतिबद्ध है। डब्लूयूसीसी के अथक परिश्रम फ़लस्वरूप केरल सरकार ने मलयालम सिने-जगत में स्त्रियों की समस्याओं का अध्ययन करने केलिए जस्टिस हेमा की अध्यक्षता में एक समिति बनाई। समिति ने कई लोगों की गवाही के बाद 2019 में अपनी विस्तृत रिपोर्ट सरकार को सौंपी। रिपोर्ट सार्वजनिक होने के बाद से डब्लूयूसीसी संस्था स्त्रियों केलिए न्याय पाने केलिए फ़िर खूब से सक्रिय है। अम्मा के खिलाफ़ मुहीम मुख्य रूप से एक अभिनेत्री पार्वती के चलते संभव हो रही है। वह डब्लूयूसीसी की स्थापना के समय से 'अम्मा' के अत्याचारों और ने काफ़ी पहले उससे इस्तीफ़ा दे दिया था। वे कुशल और सक्षम हैं, मात्र मलयालम सिनेमा पर ही निर्भर नहीं हैं। वे मलयालम के अलावा तमिल, तेलगु, कनन्ड, हिन्दी फ़िल्मों में काम करती और सराही जाती हैं। अब डब्लूयूसीसी को हेमा कमिटी के खुलासे के लिए जिम्मेदार तथा अपराधी ठहराया जा रहा है। हां, सही है, हेमा कमीशन रिपोर्ट को आंदोलन बनाने में पार्वती का विशेष हाथ है। हालांकिं ण्ण् की ही उनकी कुछ 'सो कॉल्ड' शुभचिंतकों ने कहा, यदि इंडस्ट्री में रहना है, तो सोच-समझ कर कदम उठाएं। उनके लिए यह बहुत निराशाजनक था। पर वे पूरी तरह निराश नहीं हैं, पार्वती ने मलयालम फ़िल्म उद्योग में स्त्रियों की सुरक्षा केलिए कमर कसी हुई है।हेमा कमीशन की रिपोर्ट सार्वजनिक न होने से वे तकरीबन निराश हो चुकी थीं। मगर उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। अब रिपोर्ट का कुछ हिस्सा सार्वजनिक होने पर वे कह रही हैं- मलयालम फ़िल्म उद्योग के जिन सत्ताधारी पुरुषों को सामने आकर स्त्रियों को न्याय दिलाने का काम करना चाहिए, वे कायरों की भांति मुंह छिपाए हुए हैं। कम-से-कम उन्हें स्त्रियों के साथ खड़ा होना चाहिए था। सरकार जो हेमा समिति का एक गठन एक स्त्री के केस दायर करने से ही प्रारंभ हुआ है। इस रिपोर्ट खुलते केरल, विशेष रूप से मलयालम फ़िल्म उद्योग में तूफ़ान आ गया। 17 स्त्रियों ने सामने आकर फ़ॉर्मल शिकायत दर्ज की है। कई कलाकार स्त्रियां 'अम्मा' के सचिव एवं अभिनेता सिद्दिक, एक्टर-एमएलए मुकेश के खिलाफ़ सामने आई हैं। हेमा रिपोर्ट जाहिर होने के बाद 'अम्मा' के प्रेसीडेंट मोहनलाल की अगुआई में पदाधिकारियों ने इस्तीफ़ा दे दिया है। उनके तहत जांच पैनल बना था, उसे भी भंग कर दिया है।सोनिया मल्हार, श्रीलेखा, रेवती संपत आदि स्त्री कलाकारों ने प्रड्यूसर रंजीत का नाम लेकर आरोप लगाए हैं। रंजीत का रेवती सम्पत के प्रति दुर्व्यवहार चर्चा में है। रेवती सम्पत ने स्वयं एक वेबसाइट पर अपनी बात कही है। एक पुरुष कलाकार ने भी रंजीत द्वारा अपने यौन दुर्व्यवहार का आरोप लगाया है। अभिनेत्री तथा डब्लूयूसीसी से जुड़ी रीमा कल्लिंगल ने इन अत्याचार भुगती स्त्रियों के ट्रॉमा तथा उनके साथ खड़े होने की बात टीवी पर कही है। केरल फ़िल्म इंडस्ट्री के इस आपातकाल में ऐसे भी लोग हैं, जिनके खिलाफ़ केरल की हेमा रिपोर्ट के दूरगामी परिणाम होंगे। केरल के इस भूचाल ने कोलकाता को जगा दिया है। टाइम्स एंटरटेनमेंट ने 30 अगस्त 2024 को लिखा है, पश्चिमी बंगाल में मीनू मुनीर ने मलयाली एक्टर-पोलिटीशियन मुकेश एवं एक्टर जयसूर्या तथा एडवेला बाबू के विरुद्ध एक एफ़आईआर दर्ज की है। 100 स्त्री लेखक तथा एक्टिविस्ट ने नैतिकता के आधार पर मुकेश के इस्तीफ़े की मांग की है। कई अन्य सिने-संसार में लोगों को बोलने की हिम्मत मिलेगी। अभी तक 'अम्मा' पदानुक्रम व्यवस्था के अंतर्गत काम कर रही थी। वहां भय का वातावरण था। इस खुलासे से कई लोग जनता के बीच नंगे हो गए हैं, कई लोगों के मुखौटे गिर गए हैं। स्त्री जब ठान लेती है तो पहाड़ उखाड़ फ़ेंकती है, उसकी दहाड़ से जंगल कांप उठता है। पार्वती तिरुवोतु के अनुसार-वे आशा करती है, इन अत्याचारियों की कराल जकड़न से विमुक्त हो कर 'अम्मा' को जल्द नई लीडरशिप मिलेगी और भविष्य में यह संस्था अपने सदस्यों की बेहतरी, सिने-स्त्रियों की सुरक्षा-सुविधाओं केलिए काम करेगी। मलयालम सिने-जगत को 'अम्मा' एक नई ऊर्जा, नई ऊंचाई पर जाएगी।

खेत अब कम क्यों दिखने लगे हैं यह संकट भविष्य के लिए बड़ा खतरा, इसलिए गहन विमर्श जरूरी

सरकारें किसानों के प्रति उदासीन हैं। कृषि योग्य जमीन पर अतिक्रमण जारी है। यह भविष्य मे खाद्यान्न संकट को जन्म देगा।किसी भी सड़क या राजमार्ग के दोनों तरफ अब खेत कम दिखाई पड़ते हैं। वहां बनतीं नई इमारतों, कॉलोनियों, स्कूल-कालेजों, प्रतिष्ठानों के तेजी से हो रहे अनियोजित नवनिर्माण के मध्य लहलहाती फसलों के दृश्यों का निरंतर कम होना चिंता का विषय है। कृषि के लिए जमीन का रकबा हर रोज घटता जा रहा है। ऐसे में यह विचारणीय पहलू है कि बढ़ती आबादी के लिए आखिर खाद्यान्न की उपलब्धता का संकट भविष्य में विकराल न हो जाए। हमारा कृषि प्रधान देश धीरे-धीरे व्यवसाय और मुनाफा प्रधान होता जा रहा है। खेती पहले लाभकारी धंधे में शुमार नहीं थी। वह गांवों में रहने वालों के लिए जीविका और जीवन का साधन थी, जिससे नगरों और महानगरों का भी भरण-पोषण होता था। धीरे-धीरे कृषि लाभ के बजाय घाटे के धंधे में तब्दील होती चली गई। इसके लिए सरकार की नीतियां अधिक जिम्मेदार हैं, जिनके चलते फसलों के बीज, रासायनिक उर्वरकों और कृषि यंत्रों की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि हुई, जबकि पैदावार के लागत मूल्य को हासिल करना भी किसान के लिए मुश्किल होता चला गया। उसे सरकार की ओर से निर्धारित फसल का न्यूनतम मूल्य भी न मिलना किसी मारक प्रहार से कम नहीं। इसके चलते किसान को घर-परिवार चलाना, बच्चों की शिक्षा और उनके शादी-विवाह का प्रबंध, अपनी अल्प चिकित्सकीय जरूरतों के साथ न्यूनतम अत्यावश्यक सुविधाओं को हासिल करना हर रोज कठिनतर होता चला गया। रोजगार के लिए गांवों से पलायन के चलते 'उत्तम खेती' की अवधारणा समय के साथ अर्थहीन होती गई। खेती का बंटवारा होने के कारण छोटे और कमोवेश मध्यम किसान अपनी जमीन बेचने के लिए विवश हुए। इससे उनके सम्मुख रोजी-रोटी की समस्या आ खड़ी हुई। ऐसे में मजदूर बनते चले जाने की उनकी विवशता को हुक्मरानों ने कभी महसूस नहीं किया। सरकारें इस ओर से निरंतर मुंह फेर लेती रहीं कि आखिर तेजी से भूमिहीन होते जा रहे किसानों को गांवों में कैसे रोका और काम दिया जाए 'मनरेगा' के अंतर्गत रोजगार दिए जाने का कुछ लाभ हुआ, लेकिन ऐसी योजना की भी एक सीमा है।

संकट सिर्फ एमपॉक्स का नहीं एक बार फिर स्वास्थ्य संकट के केंद्र बन सकते हैं संघर्ष वाले क्षेत्र

पहले से ही संघर्ष, विस्थापन और स्वास्थ्य ढांचे के पतन से जूझ रहे अफ्रीकी देशों में एमपॉक्स की चुनौती और जटिल हो गई है।एमपॉक्स संक्रमण से जूझ रहे लोगों का पता लगाना आसान नहीं है। डर और कलंक के कारण मरीज लक्षण दिखने के तुरंत बाद चिकित्सा सहायता नहीं लेते हैं। इसके प्रमुख लक्षणों में दर्दनाक दाने, बुखार, मांसपेशियों में दर्द और गले में खराश शामिल हैं। गलत सूचना तेजी से फैल रही है। डॉक्टर और अन्य स्वास्थ्य सेवा कर्मी न केवल बीमारी से लड़ने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, बल्कि वे उन बड़ी समस्याओं से भी जूझ रहे हैं, जिन पर उनका बहुत कम नियंत्रण है। एमपॉक्स के फिर से उभार ने दुनिया को याद दिलाया है कि यह बीमारी व्यक्तिगत और सामुदायिक स्वास्थ्य के लिए कितनी खतरनाक है। लेकिन ऐसे संकटों को बढ़ाने वाले कारकों पर कम ध्यान दिया गया है, खासकर अफ्रीका में। कई अफ्रीकी देशों की व्यापक सामाजिक-राजनीतिक और आर्थिक चुनौतियों के कारण ये और भी बदतर हो गए हैं, जिससे ऐसी कमजोरियां उजागर हुई हैं, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य से आगे तक फैली हुई हैं। लोकतांत्रिक गणराज्य कांगो ने हैजा, इबोला और कोविड-19 जैसे प्रकोपों का सामना किया है। अब यह अफ्रीका में फैले एमपॉक्स प्रकोप के केंद्र में है। इस जटिल हो गई है। कोई भी शारीरिक संपर्क वायरस के संचरण का कारण बन सकता है। यानी सशस्त्र संघर्ष से विस्थापित हुए सैकड़ों हजारों विद्रोहियों और देश की सेना के बीच युद्ध ने बुनियादी ढांचे को नष्ट कर दिया है और आवश्यक सेवाओं तक पहुंच को गंभीर रूप से प्रभावित बीच तीव्र कुपोषण के उच्च स्तर का सामना कर रही हैं। कई लोगों को संक्रमण से लड़ने के लिए अपनी प्रतिरक्षा प्रणाली पर निर्भर रहना

साल कांगो में 17,000 से ज्यादा मामले और 500 से ज्यादा मौतें दर्ज की गई हैं, जो कि महाद्वीप में सबसे ज्यादा मामले और मौतें हैं। ये क्षेत्र, जो पहले से ही संघर्ष, विस्थापन और स्वास्थ्य ढांचे के पतन से जूझ रहे हैं, व्यापक और घातक एमपॉक्स प्रकोप का अतिरिक्त तनाव झेल रहे हैं। नए एमपॉक्स स्ट्रेन के उभरने से यह चुनौती और लोगों के भीड़-भाड़ वाले शिविर बड़े पैमाने पर बीमारी फैलने के संभावित केंद्र हैं। ये विस्थापित परिवार संघर्ष के आघात से जूझ रहे हैं, और अब उन्हें बीमारी से भी निपटना होगा। पूरे देश में स्वास्थ्य सेवाकर्मी, जो एमपॉक्स के खिलाफ संघर्ष में अग्रिम पंक्ति के रक्षक हैं, सीमित संसाधनों के साथ देखभाल प्रदान करने के लिए जूझ रहे हैं। सशस्त्र किया है। विस्थापन और मानवाधिकार उल्लंघन से त्रस्त दक्षिण किवु में स्थिति विशेष रूप से गंभीर है। एमपॉक्स विशेष रूप से छोटे बच्चों के लिए खतरनाक है। कांगो में पांच वर्ष से कम आयु के 11 लाख से अधिक बच्चे और लगभग 6,05,000 गर्भवती या स्तनपान कराने वाली महिलाएं जुलाई 2023 और जून 2024 के पड़ता है। जब तक इन आबादियों को परेशान करने वाली सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक समस्याओं का समाधान नहीं किया जाता, तब तक एमपॉक्स इस क्षेत्र से खत्म नहीं होगा। हालांकि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूयूएचओ) और अफ्रीका की सीडीसी ने एमपॉक्स को सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया है, लेकिन अब तक किए गए उपाय महाद्वीप में इतने बड़े संकट को संबोधित करने के लिए अपर्याप्त हैं। एमपॉक्स वैक्सीन का वितरण असमान रहा है। टीकों की उच्च लागत बीमारी की रोकथाम के प्रयासों को और बाधित कर सकती है, खासकर दक्षिण किवु में, जहां इसकी सबसे अधिक जरूरत है। डब्लूयूएचओ ने यूनिसेफ और वैश्विक वैक्सीन गठबंधन गावी जैसे अपने भागीदारों को डब्लूयूएचओ द्वारा औपचारिक रूप से स्वीकृति दिए जाने से पहले एमपॉक्स टीके खरीदने की अनुमति दी है, यह सही दिशा में उठाया गया कदम है। एमपॉक्स प्रकोप के सबक स्पष्ट हैं-व्यापक सामाजिक संदर्भ को संबोधित किए बिना स्वास्थ्य संकटों को प्रभावी ढंग से प्रबंधित नहीं किया जा सकता है। दुनिया को यह पहचानना चाहिए कि कांगो जैसे स्थानों में, जहां संघर्ष और बीमारी एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं, सार्वजनिक स्वास्थ्य हस्तक्षेपों को संघर्ष को हल करने, समुदायों के पुनर्निर्माण और प्रभावित लोगों की गरिमा को बहाल करने के प्रयासों के साथ जोड़ा जाना चाहिए। इस तरह की एक-दूसरे से जुड़ी प्रतिक्रिया के अभाव में संघर्ष वाले क्षेत्र एक बार फिर स्वास्थ्य संकट के केंद्र बन सकते हैं।

ADHUNIK TUTORIALS

" FOR THE STUDENTS, FROM A STUDENT "

FOR CLASSES 1st 5th

(ADMISSION OPEN)

FACILITIES

- Air Conditioned & Well Furnished Classroom
- Water Cooler Available
- Hygienic Washrooms
- CCTV for Safety Purposes
- In Campus Parking

Dr. (Er)PuneetArora (HON. DIRECTOR)
(B.Tech, M. Tech, MBA , Ph.D)
Awarded with ' Young Scientist & Best Teachers, Author of Many Books Chapters, Research Paper, Patent & Trademarks

Ms.Nilanjana Arora (Assistant Director)

- Ex. Student of Bethany Convent School, Bishop Johnson School & College, Girl's High School & College
- Pursuing B.Tech
- Awarded by TCS
- Certification in the Field of Web Development and Machine Learning .

Ms. Riya Arora (Counsellor)

- Ex. Student of Delhi Public School.
- Subject Topper of Delhi Public School
- Pursuing LLB from University of Allahabad .

Address: B-Block, ADA Colony, Mtek Campus, Naini, Prayagraj .

Contact :- Call and Whatsapp: 8542919234

पाकेट 7 के शिव मंदिर पर भगवान श्री कृष्ण जी की छठी धूमधाम से मनाई गई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा । सेक्टर 82 पाकेट 7 के शिव मंदिर पर सभी भक्तों ने मिलकर

भगवान श्री कृष्ण जी की छठी धूमधाम से मनाई। भगवान श्री कृष्ण की छठी कार्यक्रम शिव मंदिर पर विगत बषी की भांति इस वर्ष भी बड़ी धूमधाम से मनाई गई। सभी लोगों ने शाम से ही मंदिर में भजन कीर्तन किया। 9.30 बजे भगवान श्री कृष्ण जी की आरती की गई उसके बाद कढी चावल का महाप्रसाद वितरित किया गया। इस मौके पर आर डब्लूयू ए अध्यक्ष राघवेन्द्र दूबे, उपाध्यक्ष रवि राघव, महासचिव श्रीमती बंटी, कोषाध्यक्ष सुशील कुमार पाल, सचिव पप्पू सिंह, दीपक तिवारी, रमेश चंद्र शर्मा, देवेन्द्र कुमार गुप्ता, संजय शुक्ला, संजीव कुमार ढाली, घनश्याम जोशी, संगम प्रसाद मिश्र, रमेश चंद्र गुप्ता, हंस मणि शुक्ल, संजय पांडेय, हरि शंकर सिंह, अनूप सिंह, जितेन्द्र सिंह, एल एम फुलेरा, सिया राम, राजेश कुमार गुप्ता, दिनेश कुमार पाठक, अनिल कुमार शर्मा, अवनीश तिवारी, गोरे लाल, ललित शर्मा, गिरिराज, सत्येन्द्र प्रताप सिंह,के के झा, आर सी दूबे,के सी झा, संजीव सक्सेना, वीरेंद्र कुमार, अशोक यादव आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे।

विश्व हिन्दू परिषद का 60वा स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा । नोएडा विश्व हिन्दू परिषद् स्थापना दिवस/षष्टीपूर्ति वर्ष समापन में हिंदू एकत्रीकरण सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सोहन सोलंकी क्षेत्र संगठन मंत्री मेरठ क्षेत्र ने संगठन की स्थापना से लेकर और संगठन के समस्त कायी पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला और संगठन के कार्यों को बताया गया व बांग्लादेश, पाकिस्तान व भारत में हिंदुओ पर हो रहे अत्याचार को रोकने हेतु हिंदुओ को संगठित होकर रहने व आपस में समरसता का भाव जाग्रत करने का आव्हान किया, इसके साथ संगठित होकर सनातन को , सभी सनातनियो को राष्ट्र विरोधी ताकतों को समय पर जवाब देने को तैयार रहने को कहा।लव जिहाद,लैंड जिहाद,गो जिहाद,भारत को गजवा ए हिंद से बचाने को कहा कार्यक्रम में विहिप के विभाग मंत्री डॉ विकास पवार, विभाग संयोजक बजरंग दल ललित, जिला उपाध्यक्ष सतवीर , अनुराधा व जिला मंत्री दिनेश माहवार, सह मंत्री राजीव एवं प्रवेश बजरंग दल संयोजक सुमित यादव , सत्संग प्रमुख विष्णु शर्मा, जितेंद्र प्रखण्ड से बलकेश , दीक्षा , राजेश कुमार पाठक, रमेश चंद्र शर्मा, राजवीर सिंह, रमेश कुमार वर्मा, पप्पू सिंह रमेश चंद्र दास, श्रीराम त्रिपाठी , सुभाष चन्द्र शर्मा, सर्वेश कुमार तिवारी एवं सैकड़ो प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सेक्टर 11 आरडब्लूए के चुनाव में अध्यक्ष अनुज गुप्ता और महासचिव दिनेश कृष्णन के पैनल ने दर्ज की एकतरफा ऐतिहासिक जीत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा । नोएडा सेक्टर 11 आरडब्लूए का चुनाव पिछले कई महीनों से नोएडा में चर्चा का विषय बना हुआ

था जिसमे पूर्व में अध्यक्षा रहीं अंजना भागी ने चुनाव रोकने के लिए कोर्ट तक का दरवाजा खटखटाया लेकिन तब भी कोई राहत नहीं मिली और चुनाव संपन्न हुए जिसमे अध्यक्ष पद पर लड़ रहे अनुज गुप्ता और महासचिव दिनेश कृष्णन के पैनल ने भरी मतों से जीत हासिल की। चुनाव से एक रात पहले दूसरे पैनल की अध्यक्ष पद की प्रत्याशी अंजना भागी ने चुनाव बहिष्कार का निणय लिया लेकिन तब भी लगभग 66 प्रतिशत निवासियों ने अपने मत अधिकार का प्रयोग किया और वोट दिया वहीं वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर प्रदीप अग्रवाल और उपाध्यक्ष पद पर विपुल कुमार शर्मा, कोषाध्यक्ष पद पर एस सी अग्रवाल, संयुक्त कोषाध्यक्ष पद पर संजय वर्मा, ज्वाइंट सेक्रेटरी पद पर विनय मोहन गुप्ता और सतीश कुमार, एक्जीक्यूटिव सदस्य पद पर रामचंद्र, शैलेजा सक्सेना, संदीप अग्रवाल, मंजू अग्रवाल, बलजीत रोहिला, पारस सक्सेना, कुंवर सिंह, नितिन पांडे, राहुल द्विवेदी, और अमितेश राहुल ने जीत दर्ज की। चुनाव अधिकारी पवन गोयल ने जीते हुए सभी पदाधिकारियों के नामों की घोषणा की। इस अवसर पर नवनियुक्त अध्यक्ष अनुज गुप्ता ने बताया की आज लोगो ने सेक्टर के विकास के लिए अपना मत दिया और उसके लिए हमारे पैनल पर भरोसा दिखाया।

बॉलीवुड/टेली मसाला

पवन कल्याण के जन्मदिन पर नहीं मिलेगा फैंस को तोहफा, 'ओजी'- 'एचएचवीएम' के निर्माताओं का बड़ा फैसला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सुपरस्टार और आंध्र प्रदेश के डिप्टी सीएम पवन कल्याण आज अपना 56वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस मौके पर प्रशंसकों को उनकी आगामी फिल्म से जुड़ी घोषणाओं का बेसब्री से इंतजार था, लेकिन उन्हें निराशा हाथ लगी है। दरअसल, इस खास मौके को प्रशंसकों के लिए और भी यादगार बनाने के लिए पावर स्टार की बहुप्रतीक्षित गैंगस्टर ड्रामा 'ओजी' के निर्माताओं ने कल एक विशेष पोस्टर के साथ फिल्म की पहली सिंगल रिलीज की तारीख की घोषणा करने की योजना बनाई थी। हालांकि, इन सभी योजनाओं को निर्माताओं ने स्थगित कर दिया। दरअसल, 'ओजी' की टीम ने रविवार रात को एक्स पर घोषणा की कि उन्होंने आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में लगातार बारिश और बाढ़ की स्थिति के कारण कल के लिए निर्धारित सभी घोषणाओं को रद्द कर दिया है। निर्माताओं ने पोस्ट साझा कर लिखा, 'ओजी एक ऐसी फिल्म है, जिसका जश्न आने वाले

सालों तक मनाया जाएगा। आइए हम सब मिलकर इस दुख से बाहर निकलें और जल्द ही बड़े पैमाने पर जश्न मनाएं।'इसके साथ ही निर्माताओं ने एक और ट्वीट किया। एक अन्य ट्वीट में एक प्रशंसक को जवाब देते हुए 'ओजी' की टीम ने संकेत दिया कि पवन कल्याण के अनुरोध के बाद जन्मदिन पर की जाने वाली फिल्म से जुड़ी घोषणाओं को स्थगित कर दिया गया है। नई घोषणा की तारीख बहुत जल्द बताई जाएगी ओजी' में पवन कल्याण के साथ बॉलीवुड स्टार इमरान हाशमी और अभिनेत्री प्रियंका मोहन भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। सुजीत द्वारा निर्देशित, इस बिग बजट फिल्म को डीवीवी दानय्या द्वारा उनके डीवीवी एंटरटेनमेंट बैनर के तहत निर्मित किया जा रहा है। थमन साउंडट्रैक बना रहे हैं। यह फिल्म 27 मार्च, 2025 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में आएगी। वहीं, इस बीच 'हरि हर वीरा मल्लू' के निर्माताओं ने भी घोषणा की है कि वे आज पवन कल्याण के जन्मदिन को मनाने के लिए कोई विशेष अपडेट जारी नहीं करेंगे, क्योंकि प्राकृतिक आपदा ने तेलुगु राज्यों को हिलाकर रख दिया है। अपडेट बाद में बताए जाएंगे। उन्होंने ट्वीट किया, 'हालांकि, हमने सभी पावर प्रशंसकों के लिए एक रोमांचक पोस्टर की योजना बनाई है, लेकिन पवन कल्याण गारू के सिद्धांत अनुसार चल रही भीषण बाढ़ के कारण, यह जशन मनाने का सही समय नहीं है। हमें उम्मीद है कि हर कोई इसे समझेगा और सहयोग करेगा।

टीवी की दुनिया में कमाया था नाम, आज भी फैंस के असली 'बिग बॉस' हैं सिद्धार्थ शुक्ला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अभिनेता सिद्धार्थ शुक्ला की असामयिक मौत ने सभी को हैरान कर दिया था। उनका निधन 2 सितंबर 2021 को हुआ सिद्धार्थ शुक्ला की लोकप्रियता का ग्राफ लगातार बढ़ता गया। 2014 में उन्होंने ठझलक दिखला जा 6ठ में भाग लिया, जहां उनके डांसिंग स्किल्स की भी जमकर तारीफ

था। वो टेलीविजन जगत के जाने-माने सितारे थे। वो अपने अभिनय कौशल और अपनी छोड़ी गई यादों के कारण हमेशा अपने प्रशंसकों के बीच जिंदा रहेंगे। सिद्धार्थ शुक्ला का जन्म 12 दिसंबर, 1980 को हुआ था। उनकी शुरुआती पढ़ाई सेंट जेवियर्स हाई स्कूल से हुई थी। इसके बाद उन्होंने इंटीरियर डिजाइनिंग का कोर्स किया था, लेकिन उनकी दिलचस्पी हमेशा से अभिनय में थी। सिद्धार्थ ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की और जल्द ही वो 2004 में 'ग्लैडरैग्स मैनहंट' प्रतियोगिता में फाइनलिस्ट बने। इसके बाद उन्होंने कुछ टीवी विज्ञापनों में काम किया, जो उनकी लोकप्रियता का कारण बने। सिद्धार्थ ने अपने टेलीविजन करियर की शुरुआत 2008 में ठबाबुल का आंगन छूटे नाठ से की, जिसमें उन्होंने मुख्य भूमिका निभाई। इसके बाद, उन्होंने ठजाने पहचाने से... ये अजनबीठ और ठलव यू जिंदगीठ जैसे शो में भी काम किया, लेकिन असली पहचान उन्हें 2012 में ठबालिका वधूठ से मिली। इस शो में शिवराज शेखर के किरदार ने उन्हें घर-घर में मशहूर कर दिया। उनके इस किरदार ने उन्हें ना केवल आलोचकों की सराहना दिलाई, बल्कि कई पुरस्कार भी दिलाए। हुई। इसके बाद, उन्होंने ठफियर फैक्टरः खतरों के खिलाड़ी 7ठ में भाग लिया और विजेता बने। सिद्धार्थ शुक्ला ने 2014 में फिल्म 'हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। इस फिल्म में उन्होंने अंगद बेदी का किरदार निभाया, जो दर्शकों के दिलों में अपनी छाप छोड़ गया। हालांकि, सिद्धार्थ का फोकस हमेशा से टेलीविजन पर रहा, लेकिन इस फिल्म ने साबित कर दिया कि वह बड़े पर्दे पर भी अपनी पहचान बना सकते हैं। 2019 में, सिद्धार्थ शुक्ला ने 'बिग बॉस 13' में भाग लिया और यह शो उनके करियर का मील का पत्थर साबित हुआ। उन्होंने अपनी दमदार पर्सनैलिटी, ईमानदारी और खेल भावना से सभी का दिल जीत लिया। वह इस सीजन के विजेता बने और उनकी फैन फॉलोइंग ने आसमान छू लिया। इस शो के बाद उन्होंने कई म्यूजिक वीडियो में काम किया। सिद्धार्थ शुक्ला के आकस्मिक निधन ने उनके प्रशंसकों, दोस्तों और परिवार को गहरा धक्का पहुंचाया। उनकी मेहनत, समर्पण और कड़ी मेहनत ने उन्हें एक अनूठी पहचान दिलाई, जो उनके जाने के बाद भी हमेशा याद की जाएगी। उनके किरदार और उनकी हंसी उनके प्रशंसकों के दिलों में जिंदा रहेगी।

बुसान फिल्म फेस्टिवल में अवॉर्ड जीत चुके हैं ये निर्देशक, यश चोपड़ा का नाम भी हैं शामिल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बुसान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल एशिया का सबसे प्रतिष्ठित फिल्म महोत्सव है। इस साल इसका आयोजन दो अक्तूबर से 11 अक्तूबर तक किया जाएगा। इस महोत्सव में एशिया के कई दिग्गज फिल्मकारों को सम्मानित किया गया है, जिनमें यश चोपड़ा, अब्बास कियारोस्तामी, मोहसिन मखमलबाफ और रिथी पन्ह जैसे नाम भी शामिल हैं। ये फिल्मकार न केवल अपनी-अपनी संस्कृतियों के प्रतिनिधि है, बल्कि उन्होंने वैश्विक सिनेमा में भी अपनी खास पहचान बनाई है। इस फिल्म फेस्टिवल में साल के सर्वश्रेष्ठ एशियाई फिल्मेकर का अवॉर्ड दिया जाता है। ये उस एशियाई फिल्म निर्माता को दिया जाता है, जिसने पूरे साल एशियाई फिल्म उद्योग और संस्कृति की उननति में सबसे अहम योगदान दिया हो। भारतीय सिनेमा के 'किंग ऑफ रोमांस' के नाम से मशहूर यश चोपड़ा का योगदान हिंदी सिनेमा में अद्वितीय है। उनके निर्देशन में बनी फिल्मों ने भारतीय सिनेमा को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। यश चोपड़ा ने बुसान फिल्म फेस्टिवल में न केवल भारत की पहचान को मजबूती दी, बल्कि अपनी रचनात्मकता से वैश्विक दर्शकों को भी आकर्षित किया। उन्हें साल 2009 में सर्वश्रेष्ठ एशियाई फिल्मेकर का अवॉर्ड मिला था। ईरानी सिनेमा के महान फिल्मकार अब्बास कियारोस्तामी को भी बुसान फिल्म फेस्टिवल में विशेष सम्मान मिला है। उनकी फिल्मों में जीवन की गहरी समझ और सामाजिक मुद्दों की संवेदनशीलता की झलक मिलती है। उन्हें साल 2016 में सर्वश्रेष्ठ

एशियाई फिल्मेकर का खिताब मिला था। ईरान के एक और प्रमुख फिल्मकार, मोहसिन मखमलबाफ ने भी बुसान फिल्म फेस्टिवल में अपनी जगह बनाई। मखमलबाफ की फिल्में समाज की जटिलताओं और राजनीतिक मुद्दों को गहराई से छूती हैं। उनकी रचनाएं ईरानी समाज की वास्तविकता को दर्शाती हैं। उन्हें साल 2003 में सर्वश्रेष्ठ एशियाई फिल्मेकर से सम्मानित किया गया था। कंबोडिया के प्रसिद्ध फिल्मकार रिथी पन्ह ने अपने देश के इतिहास और सामाजिक संघर्षों को दुनिया के सामने रखा है। उनकी फिल्में कंबोडियाई समाज की पीड़ा और संघर्ष की कहानियों को दिखाती हैं। रिथी पन्ह की फिल्मों में ऐतिहासिक घटनाओं की गहरी समझ और मानवीय संवेदनाओं का चित्रण होता है। उन्हें साल 2013 में सर्वश्रेष्ठ एशियाई फिल्मेकर का खिताब मिला था।

500 करोड़ की ओर तेजी से बढ़ रही है स्त्री 2, रविवार को फिल्म ने कमाए इतने करोड़

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। राजकुमार राव की स्त्री 2 बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। फिल्म ने टिकट खिड़की पर कमाई के अब तक कई रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए है। आइए जानते हैं कि फिल्म ने तीसरे रविवार को कितना कलेक्शन किया है।

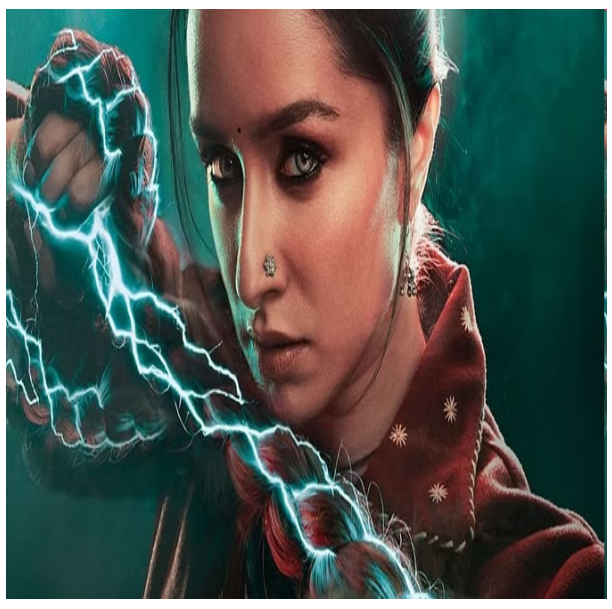

अमर कौशिक के निर्देशन में बनी स्त्री 2 में श्रद्धा कपूर के साथ राजकुमार राव ने मुख्य भूमिका निभाई है। फिल्म में दोनों ही सितारों की एक्टिंग दर्शकों को खूब पसंद आ रही है। वहीं, पंकज त्रिपाठी, अपारशक्ति खुराना और अभिषेक बनर्जी की भी अदाकारी दर्शकों का दिल जीत रही है। यही वजह है कि टिक्ट खिड़की पर स्त्री 2 जमकर कमाई कर रही है। पहले हफ्ते में इस फिल्म ने 291.65 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर बड़ा धमाका कर डाला था। वहीं, दूसरे हफ्ते में इस फिल्म ने 141.4 करोड़ रुपये बटोर कर दिग्गजों को भी हैरान कर दिया। तीसरे हफ्ते में भी फिल्म की धुआंधार कमाई जारी है। 16वें दिन फिल्म ने आठ करोड़ 50 लाख रुपये का करोबार किया। वहीं, 17वें दिन फिल्म की कमाई में एक बार फिर से जबर्दस्त उछाल नजर आया। तीसरे शनिवार को फिल्म ने 16.5 करोड़ रुपये की शानदार कमाई की। शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक स्त्री 2 ने 18वें दिन एक बार फिर से बंपर कलेक्शन किया है। खबर लिखे जाने तक इस फिल्म ने टिकट खिड़की पर 21.27 करोड़ रुपये बटोर डाले थे। इसके साथ ही फिल्म का कुल कलेक्शन अब 479.32 करोड़ रुपये हो गया है। हॉरर फिल्मों की श्रेणी ने यह फिल्म अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बन चुकी है। माना जा रहा है कि जल्द ही स्त्री 2 500 करोड़ के क्लब में शामिल हो सकती है।

आदर जैन ने की अलेखा आडवाणी से सगाई अभिनेता ने सोशल मीडिया पर साझा कीं तस्वीरें

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अभिनेता आदर जैन ने सोशल मीडिया पर अपने बारे में एक अहम जानकारी साझा की है। दरअसल, उन्होंने अपनी प्रेमिका अलेखा आडवाणी से सगाई दे रहे हैं। वहीं, पीले रंग की ड्रेस में आलेखा बेहद खूबसूरत लग रही हैं। इन तस्वीरों के साथ आदर ने इंस्टाग्राम पर लिखा, मेरा पहला क्रश, मेरी सबसे अच्छी दोस्त अब हमेशा के लिए मेरी हो गई है।इस

की तस्वीरें साझा की हैं। इन फोटोज पर अब लोगों की प्रतिक्रियाएं आने शुरू हो गई हैं। आदर जैन ने अपनी गर्लफ्रेंड अलेखा आडवाणी से सगाई कर ली है। अभिनेता ने समंदर के किनारे अपनी प्रेमिका को अंगूठी पहनाकर अपने प्यार का इजहार किया। इसकी जानकारी आदर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के जरिए दी है। आदर जैन ने अपनी गर्लफ्रेंड अलेखा आडवाणी से सगाई कर ली है। अभिनेता ने समंदर के किनारे अपनी प्रेमिका को अंगूठी पहनाकर अपने प्यार का इजहार किया। इसकी जानकारी आदर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के जरिए दी है। तस्वीरों में आदर धारीदार सफेद और नीले रंग की शर्ट और सफेद पैंट पहने नजर आ रहे हैं। अलेखा को प्रपोज करने के लिए वह एक घुटने पर बैठे हुए दिखाई पोस्ट पर अब सितारों की प्रतिक्रियाएं आने शुरू हो गई हैं। करीना कपूर खान ने आदर की सगाई पर खुशी जाहिर करते हुए लिखा,मेहंदी लगाके रखना, डोली सजा के रखनाठ। वहीं, अनन्या पांडे ने लिखा, बधाइ बहुत सुंदर। शनाया ने हार्ट इमोजी के जरिए अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। उनके अलावा श्वेता बसु प्रसाद और जिब्रान खान ने भी दोनों को बधाई दी। अलेखा आडवाणी की बात करें तो वह एक उद्यमी हैं। वह मुंबई स्थित वेलनेस कम्यूनिटी 'वे वेल' की संस्थापक हैं। उन्होंने विभिन्न कपड़ों और आभूषण ब्रांडों के लिए एक मॉडल के रूप में भी काम किया है। उन्होंने अदार के साथ नवंबर 2023 में अपने रिश्ते को सार्वजनिक किया था। दोनों को करीना कपूर खान की दिवाली पार्टी में पहली बार साथ देखा गया था।

निर्देशक हयाओ मियाजाकी रेमन मैग्सेसे से सम्मानित, पर्यावरण पर बना चुके हैं कई फिल्में

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। जापानी फिल्म निर्देशक हयाओ मियाजाकी को 2024 के रेमन मैग्सेसे पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। मियाजाकी को 'प्रिंसेस मोनोनोके', 'स्पिरिटेड अवे', 'हाउल्स मूविंग कैसल', 'माई नेबर टोटोरो' और 'द बॉय एंड द हेरॉन' समेत कई फिल्मों के लिए जाना जाता है। इस साल के रेमन मैग्सेसे पुरस्कार समारोह का आयोजन नवंबर में किया जाएगा। फिलहाल इस साल के विजेताओं का एलान किया गया है। इस बार एक समूह और तीन शख्सियत को इस प्रतिष्ठित पुरस्कार से नवाजा जाएगा। निर्देशक हयाओ मियाजाकी की बात करें तो उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के विषय पर कई एनिमेटेड फिल्में बनाई है। हयाओ मियाजाकी स्टूडियो घिबली के सह-संस्थापक है। उनके रेमन मैग्सेसे जीतने की खबर को साझा करते हुए स्टूडियो घिबली ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा कि हायाओ मियाजाकी ने रेमन मैग्सेसे पुरस्कार जीत लिया है, जिसे एशिया का नोबेल पुरस्कार कहा जाता है। फाउंडेशन ने उनकी तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने बच्चों को पर्यावरण संरक्षण और शांति को बढ़ावा देने जैसे जटिल मुद्दों को समझने में मदद करने के लिए कला का इस्तेमाल किया है। उन्होंने दुनिया की कई सबसे यादगार और प्रिय फिल्में बनाई हैं। हयाओ मियाजाकी ने साल 2023 में 'द बॉय एंड द हेरॉन' फिल्म बनाई थी, जो एक फैंटेसी-एडवेंचर फिल्म है। इस फिल्म को आलोचकों ने खूब सराहा था। इतना ही नहीं इस फिल्म को सर्वश्रेष्ठ एनिमेटेड फीचर फिल्म का ऑस्कर पुरस्कार भी मिला था। मियाजाकी का जन्म 5 जनवरी, 1941 को टोक्यो में हुआ था। वो निर्देशक होने के साथ-साथ मशहूर एनिमेटर भी हैं। हयाओ गुलिवर्स ट्रैवल्स बियॉन्ड द मून और पुस इन बूट्स समेत कई फिल्मों में एनिमेटर के तौर पर काम कर चुके है। उन्होंने टीवी सीरीज फ्यूचर बॉय कॉनन का भी निर्देशन किया है।

एनटीआर 31' से बॉक्स ऑफिस पर सुनामी लाने के लिए तैयार प्रशांत नील, जूनियर एनटीआर के साथ साझा की तस्वीर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। जूनियर एनटीआर और निर्देशक प्रशांत नील ने एक आगामी प्रोजेक्ट के लिए हाथ मिलाया है, जिसका नाम अस्थायी रूप से एनटीआर 31 रखा गया है। फिल्म की घोषणा के बाद से दोनों की जोड़ी को स्क्रीन पर जादू करते देखने के लिए सोशल मीडिया पर हलचल मची हुई है। प्रोजेक्ट को लेकर उत्सुकता के बीच एनटीआर नील के निर्माताओं ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर जूनियर एनटीआर और प्रशांत नील की एक खूबसूरत तस्वीर शेयर की है। शांत और धुंध से ढकी पहाड़ियों के बैकग्राउंड के साथ दोनों को एक साथ एक शांत पल का आनंद लेते देखा जा सकता है। हालांकि, फोटो पर लिखा है, 'सुनामी से पहले की शांति।' जब से फोटो सामने आई है तो सोशल मीडिया पर प्रशंसक पूछने लगे कि दोनों क्या योजना बना रहे हैं। इसके साथ ही फोटो के साथ कैप्शन में लिखा गया कि यह डेविल स्माइल है। फोटो शेयर करते हुए

मैत्री मूवी मेकर्स ने लिखा, 'हमारे जनता गराज को आठ साल हो गए हैं और हमारे प्यारे जूनियर एनटीआर गारू और शिवा गारू की जोड़ी को 'देवरा' के साथ पूरी दुनिया में तहलका मचाने में एक महीने से भी कम समय बचा है और कुछ महीनों में हम सुनामी लाने के लिए प्रशांत नील द्वारा निर्देशित जूनियर एनटीआर की फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे।' तस्वीर को सबसे पहले प्रशांत नील की पतनी लिखिता ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किया था। जूनियर एनटीआर और निर्देशक प्रशांत नील अपने आगामी प्रोजेक्ट एनटीआर 31 के लिए सहयोग कर रहे हैं। इस साल अगस्त में फिल्म को आधिकारिक तौर पर लॉन्च किया गया था और फिल्म की शूटिंग सितंबर 2024 में शुरू होने वाली है। जूनियर एनटीआर ने पहले ही देवरा की शूटिंग पूरी कर ली है। उन्होंने अपने एक्स हैंडल पर इसकी घोषणा की। कोराताला शिवा द्वारा निर्देशित 'देवरा' फिल्म 27 सितंबर को बड़े पर्दे पर आएगी। फिल्म में सैफ अली खान और जान्हवी कपूर भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। इस बीच, एनटीआर 31 का निर्माण मैत्री मूवी मेकर्स और एनटीआर आर्ट्स दोनों मिलकर करेंगे।

शिखर पहाड़िया के साथ नजर आई जान्हवी कपूर कार में बैठकर खिलखिलाती दिखीं अभिनेत्री

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। जान्हवी कपूर बॉलीवुड की उभरती हुई अभिनेत्रियों में से एक हैं। हर फिल्म के साथ उनकी अदाकारी में और अधिक गंभीरता नजर आ रही है। पिछली रिलीज फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही में अपने अभिनय से वह दर्शकों का दिल जीत चुकी हैं। फिल्मों के अलावा जान्हवी अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी अक्सर सुखिऱ्यां बटोरती दिखती हैं। हाल ही में अभिनेत्री को मुंबई के बांद्रा इलाके में स्थित एक डबिंग स्टूडियो में देखा गया। इस दौरान उनके साथ उनके खा दोस्त शिखर पहाड़िया और बहन खुशी कपूर भी नजर आई। स्टूडियो से बाहर निकलते समय वहां पहले से मौजूद फोटोग्राफरों

के कैमरों में तीनों की तस्वीरें कैद हो गईं। कैजुअल लुक में जान्हवी बेहद खूबसूरत लग रही थीं। उन्होंने चश्मा भी लगाया हुआ था, जो उनकी खूबसूरती को और अधिक बढ़ा रहा था, जबकि उनकी बहन खुशी सफेद टॉप और काले पैंट में सादगी भरे अंदाज में नजर आईं। वहीं, शिखर पहाड़िया भी कैजुअल लुक में ही दिखे। सिर पर बैड लगाकर वह काफी कूल नजर आ रहे थे। डबिंग स्टूडियो से बाहर निकलते ही तीनों तुरंत कार में बैठकर वहां से निकल गए। कार के अंदर जान्हवी और शिखर किसी बात को लेकर खिलखिलाते हुए भी दिखे। वर्क फ्रंट की बात करें तो जान्हवी जल्द ही देवरा-पार्ट वन के जरिए तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू करने जा रही हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।